# श्री साईबाबा दैनंदिनी 2021 SHRI SAIBABA DIARY

श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्तव्यवस्था, शिर्डी
SHRI SAIBABA SANSTHAN TRUST, SHIRDI

**मेरी समाधी की सीढी चढेगा।**
**उसके सभी दुःखो का नाश होगा।।**

शिरडी को जिसके लगेंगे पैर।
नष्ट होंगे संकट उसके सभी।।

**©- सभी हक प्रकाशकाधीन**

**प्रकाशकः** श्री कान्हूराज ह. बगाटे (भाप्रसे), मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्तव्यवस्था, शिर्डी इन्होने श्री साईबाबा दैनंदिनी 2021 मे.सॅप प्रिंन्ट सोलूशन्स प्रा.लि. मुंबई यहाँ छपाई करके श्री साईबाबा समाधी मंदीर शिर्डी यहाँ प्रकाशित की गयी है।

**अस्वीकरण (Disclaimer):** इस दैनंदिनी में हिंदी भाषांतर करके दिए हुए श्री साईचरित्र के वचनों में अगर अर्थ बदल होता है तो मराठी श्री साईचरित्र में अभिप्रेत अर्थ प्रमाण माना जाएगा।

# वैयक्तिक जानकारी

नाम- _____

ऊँचाई - _____ वजन _____

रक्त गट _____

कार्यालयिन पता- _____

दुरध्वनि - _____

मोबाईल नं. _____

घर का पता- _____

मोबाईल नं. _____

कार/ मोटार साइकिल नंबर- _____

ड्राइविंग लाइसेंस नंबर- _____

पासपोर्ट नं. _____

वितरण तिथि- _____

नवीनीकरण तिथि - _____

क्रेडीट कार्ड- _____

**सूचना** – इस दैनंदिनी में विभिन्न स्थानोंपर दिये गये बारकोड (QR Code) को google पर स्कैन करके सभी  मंदिरों, विभिन्न भक्त आवासों एवं विविध जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

# 2020

## January

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | |

## February

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | 1 |
| 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 |
| 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 |

## March

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 |
| 29 | 30 | 31 | | | | |

## April

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | | |

## May

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31 | | | | | 1 | 2 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |
| 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |

## June

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 |
| 28 | 29 | 30 | | | | |

## July

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | |

## August

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 30 | 31 | | | | | 1 |
| 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 |
| 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 |

## September

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 |
| 27 | 28 | 29 | 30 | | | |

## October

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1 | 2 | 3 |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
| 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
| 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |

## November

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 |
| 29 | 30 | | | | | |

## December

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 |
| 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | | |

# 2021

### January

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31 | | | | | 1 | 2 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |
| 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |

### February

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 |
| 28 | | | | | | |

### March

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 |
| 28 | 29 | 30 | 31 | | | |

### April

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1 | 2 | 3 |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
| 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
| 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | |

### May

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 30 | 31 | | | | | 1 |
| 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 |
| 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 |

### June

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 |
| 27 | 28 | 29 | 30 | | | |

### July

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1 | 2 | 3 |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
| 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
| 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |

### August

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 |
| 29 | 30 | 31 | | | | |

### September

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | | |

### October

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31 | | | | | 1 | 2 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |
| 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |

### November

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 |
| 28 | 29 | 30 | | | | |

### December

| S | M | T | W | T | F | S |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | |

# वर्ष २०२१ में शासकीय सार्वजनिक छुट्टियाँ

| अ.नं. | सार्वजनिक छुट्टि के नाम | तिथि | वार |
|---|---|---|---|
| ०१ | गणतंत्र दिन | २६/०१/२०२१ | मंगलवार |
| ०२ | छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती | १९/०२/२०२१ | शुक्रवार |
| ०३ | महाशिवरात्रि | ११/०३/२०२१ | गुरुवार |
| ०४ | होली (दूसरा दिन) | २९/०३/२०२१ | सोमवार |
| ०५ | गुड फ्राइडे | ०२/०४/२०२१ | शुक्रवार |
| ०६ | गुढी पाडवा | १३/०४/२०२१ | मंगलवार |
| ०७ | डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जयंती | १४/०४/२०२१ | बुधवार |
| ०८ | रामनवमी | २१/०४/२०२१ | बुधवार |
| ०९ | महावीर जयंती | २५/०४/२०२१ | रविवार |
| १० | महाराष्ट्र दिन | ०१/०५/२०२१ | शनिवार |
| ११ | रमजान ईद (ईद-उल-फितर) (शव्वल-१) | १३/०५/२०२१ | गुरुवार |
| १२ | बुध्द पूर्णिमा | २६/०५/२०२१ | बुधवार |
| १३ | बकरी ईद (ईद-उल-झुआ) | २१/०७/२०२१ | बुधवार |
| १४ | स्वतंत्रता दिन | १५/०८/२०२१ | रविवार |
| १५ | पारसी नववर्ष (शहेनशाही) | १६/०८/२०२१ | सोमवार |
| १६ | मोहर्रम | १९/०८/२०२१ | गुरुवार |
| १७ | गणेश चतुर्थी | १०/०९/२०२१ | शुक्रवार |
| १८ | महात्मा गांधी जयंती | ०२/१०/२०२१ | शनिवार |
| १९ | दशहरा | १५/१०/२०२१ | शुक्रवार |
| २० | ईद-ए-मिलाद | १९/१०/२०२१ | मंगलवार |
| २१ | दिवाली अमावस्या (लक्ष्मी पूजन) | ०४/११/२०२१ | गुरुवार |
| २२ | दिवाली (बलीप्रतिपदा) | ०५/११/२०२१ | शुक्रवार |
| २३ | भाई दूज | ०६/११/२०२१ | शनिवार |
| २४ | गुरु नानक जयंती | १९/११/२०२१ | शुक्रवार |
| २५ | क्रिसमस | २५/१२/२०२१ | शनिवार |

## श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्तव्यवस्था, शिर्डी
## संस्थान के अधिकारी

| अ.नं. | अधिकारीयों के नाम | मोबाईल क्रमांक |
|---|---|---|
| १. | श्री कान्हूराज ह. बगाटे, (भा.प्र.से.)<br>मुख्य कार्यकारी अधिकारी | 9422571750 |
| २. | श्री रविंद्र ठाकरे, उप जिला अधिकारी<br>तथा उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी | 9403825315 |
| ३. | श्री बाबासाहेब घोरपडे, मुख्य लेखाधिकारी<br>तथा प्रशासकीय अधिकारी | 9403825342 |
| ४. | डॉ. आकाश किसवे, प्रशासकीय अधिकारी | 9403825316 |
| ५. | श्री दिलीप उगले, प्रशासकीय अधिकारी | 9403825318 |
| ६. | श्री रघुनाथ भा. आहेर, प्र. कार्यकारी अभियंता | 9403825357 |

## श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्तव्यवस्था, शिर्डी संपर्क / संवाद सूची

| अ.नं | तपशील | दूरध्वनी नंबर | अ.नं | तपशील | दूरध्वनी नंबर |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | सहायता केंद्र<br>श्री साईबाबा संस्थान<br>विश्वस्तव्यवस्था, शिर्डी- | 7588374469<br>7588373189<br>7588375204 | २ | नियंत्रण कक्ष<br>श्री साईबाबा संस्थान<br>विश्वस्तव्यवस्था, शिर्डी- | 7588371245<br>7588372254 |
| ३ | संपर्क दुरध्वनि<br>श्री साईबाबा संस्थान<br>विश्वस्तव्यवस्था, शिर्डी- | (02423)258500 | ४ | जनसंपर्क कार्यालय<br>श्री साईबाबा संस्थान<br>विश्वस्तव्यवस्था, शिर्डी- | (02423)258777 |
| ५ | संस्थान संरक्षण विभाग | (02423)258888<br>(02423)258869 | ६ | साईबाबा हॉस्पिटल | (02423)258666 |
| ७ | साईनाथ हॉस्पिटल | (02423)258555 | ८ | शिर्डी पुलीस स्टेशन | (02423)255133 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ९ | शिर्डी पुलीस वाहतूक विभाग | (02423)256331 | १० | संस्थान फायर विभाग | (02423)258989<br>(02423)256675<br>(02423)258982 |
| ११ | (अग्नीशामक विभाग) शिर्डी नगरपंचायत | (02423)255150 | १२ | शिर्डी नगरपंचायत कार्यालय | (02423) 256110 |
| १३ | पोस्ट ऑफिस, शिर्डी | (02423) 257822 | १४ | प्रांत कार्यालय, शिर्डी | (02423)- 255755 |
| १५ | शासकीस विश्रामगृह, शिर्डी | (02423) 256020 | १६ | जलसंपदा कार्यालय, शिर्डी | (02423)- 256838 |
| १७ | महाराष्ट्र राज्य वीज वितरण कं. कार्यालय शिर्डी | (02423) 257204 | १८ | तलाठी कार्यालय, शिर्डी | 8605836767 |
| १९ | बस स्थानक, शिर्डी | (02423) 255222 | २० | रेल्वे स्टेशन, शिर्डी | (02423)- 258064 |
| २१ | श्री साईबाबा हवाईअड्डा (काकडी), शिर्डी | (02423) 246204 | २२ | पंचायत समिती,राहाता | (02423)- 243955 |
| २३ | तहसिल कार्यालय, राहाता | (02423) 242853 | २४ | संस्थान Whatsapp ( जनसंपर्क) | 9403825314 |
| २५ | संस्थान संकेतस्थल | http://www.sai.org.in | २६ | ई-मेल/E-mail | ceo.ssst@sai.org.in<br>ceo.ssst@gmail.in |
| | दर्शन पास / देणगी / निवासव्यवस्था | http://online.sai.org.in | २७ | फेसबुक/Facebook | Shrisaibabasansthan trustshirdi |
| | दान के स्वरुप में | www.onlinesbi.com<br>www.hdfcbank.com<br>www.unionbankofindia.com | २८ | ट्वीटर /Twitter | @ssstshirdi |
| २९ | मुंबई कार्यालय | 9594904659 | ३० | हैद्राबाद कार्यालय | 9030297005 |
| ३१ | चेन्नई कार्यालय | 9940514988 | ३२ | बंगलोर कार्यालय | 9449214114 |

## संस्थान प्रबंधन

संस्थान राज्य सरकार के कानून और न्याय विभाग के नियंत्रण में चलाया जाता है। राज्य सरकार तीन साल के लिए एक प्रबंधन समिती नियुक्त करती है। इसमें सरकार द्वारा नियुक्त न्यासी समिती के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष शामिल है। वर्तमान में उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त चार सदस्यीय तदर्थ समिति कार्यरत है।

## संस्थान प्रशासन

संस्थान का प्रशासन अविरत 'भक्तों के भक्त' इस ब्रीदवाक्य के साथ काम कर रहा है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी संस्थान का प्रशासनिक प्रमुख होता है। सरकार द्वारा नियुक्त एक आइ.ए.एस अधिकारी को इस पद पर नियुक्त किया जाता है। उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारी हैं। इसके अलावा मुख्य लेखा अधिकारी, रक्षा प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सरकार द्वारा प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों की नियुक्ति की जाती है। संस्थान में ५ प्रशासनिक अधिकारी काम कर रहे हैं। साई भक्तों के लिए स्थायी, अनुबंध और आउटसोर्स सेवाओं के साथ संस्थान में ४२ विभागों में लगभग ६००० कर्मचारी काम कर रहे हैं।

---

## श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्तव्यवस्था शिर्डी
## मा. तदर्थ समिती सदस्य

**श्री श्रीकांत लक्ष्मण आणेकर, 9421022410**
अध्यक्ष तदर्थ समिति तथा प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अहमदनगर.

**श्री भानूदास ह. पालवे, 7350266713**
सदस्य तदर्थ समिती और अतिरिक्त आयुक्त, नाशिक.

**श्रीमती गीता बनकर, 9834928262**
सदस्य तदर्थ समिति तथा, सहायक धर्मादाय आयुक्त, अहमदनगर

**श्री कान्हूराज ह. बगाटे, (IAS) 9422571750**
मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा सदस्य सचिव श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्त व्यवस्था, शिर्डी

---

**मेरी समाधी की सीढी चढेगा।**
**उसके सभी दुःखो का नाश होगा ॥**
**त्याग यह शरीर चला भी मै गया।**
**दौडुंगा हमेशा भक्तों के लिए ॥**

# शिरडी माझें पंढरपूरः आरती

शिरडी माझें पंढरपूर ।साईबाबा रमावर ॥ १ ॥
शुद्ध भक्ती चंद्रभागा । भाव पुंडलीक जागा ॥ २ ॥
या हो या हो अवघे जन। करा बाबांसी वंदन ॥३ ॥
गणू म्हणे बाबा साई । धाव पाव माझे आई ॥४॥

(श्री साईबाबा की मराठी आरती)

# श्री साईंबाबा संस्थान

गोदावरी (नदी) के दक्षिण तटपर दैत्य गुरू शुक्राचार्य की तपोभूमि ऐसी पौराणिक पहचान मिले हुए सवासौ-देढसौ वर्षोंपुर्व विश्व को शांति, समता, सर्वधर्मसमभाव, श्रद्धा–सबुरी तथा **'सबका मालिक एक'** की सिख देनेवाले साईंबाबा का शिरडी मे आगमन हुआ। साईं के वास्तव्य तथा पदस्पर्श से यहाँ का कन-कन पावन हुआ है। पैतालिस – पचास सालों के वास्तव्य के बाद उन्होंने व्दारकामाई मंदिर में ली हुई आखरी साँस यहाँ के वायुमंडल में विलीन हुई। यहाँ के बुटीवाडे में समाधी के चौथरे में उनका पवित्र देह शांतचित्त हो गया है। भक्तों के लिए सदैव हाजिर होनेवाले साईबाबा आज भी विश्वभर के करोंडों भक्तों को शिरडी को जिसके चरण लगेंगे उसको सुख समृध्दी प्राप्त होके उनके दु:खों का नाश करनें का सामर्थ्य रखते हैं।

साईं काल में प्रचार - प्रसार के माध्यम कम होते हुए भी देश के अनेक प्रांतो से लोग शिर्डी जैंसे देहात में आते थे और निवास भी करते थे। "मेरा भक्त विश्व में कहीं पर भी हो मैं उसें खिंच लाऊँगा और मेरी समाधी के बाद शिर्डी में चिंटियों के समान भीड उमडेगी" यह श्री साईबाबा की वाणी एवं वचन आज सत्य में परिणत होते हुए दिखाई दे रहे हैं। जाँति-पातिया, देश-धर्म, सम्प्रदाय-पंथ आदी के भेदाभेद को दूर करते हुए मनुष्य कल्याण के लिए प्रकट हुए इस अवलिया के चरणों में देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजनीतिज्ञ, वैज्ञानिक, उद्योगपती, न्यायव्यवस्था तथा शासन प्रणाली के उच्च पदस्थ, सिनेमा सृष्टी तथा समाजकारण के लाखों दिग्गजों की श्रध्दा स्थिर हुई है।

श्री साईंबाबा का सन 1858 के आसपास शिर्डी में आगमन हुआ। उनका धर्म, जाँत, पंथ, मूलगाँव, नाम इसके बारे में आज भी गूढ कायम है। उसके बारे में कोई भी सच कहलाने लायक जानकारी नहीं हैं। उनको साईंबाबा यह नाम शिर्डी में आने के बाद ही मिला। श्री साईबाबा ने भक्तो में इन्सानियत और प्रेमभाव जागृत किया। साईबाबा गरीब – दीन,पददलितों पर तथा प्राणिमात्रों पर प्रेम करते थें। उनको संकटकाल में मदद करके मुश्किलें हल करते थे। शिर्डी के अपने प्रदिर्घ वास्तव्य में उन्होंनें अनेक भक्तों की बीमारियां स्वयं ठीक की। श्रद्धा और सबुरी यह उन्होंने दिया हुआ संदेश तथा उपदेश विश्व के सांसारिक और पारमार्थिक लोगों को आनेवाली समस्याओं का एक महान उपाय है। उन्होंने स्वयं प्रज्वलित की हुई तथा आज भी प्रज्वलित होनेवाली धुनी की उदी से अनेक भक्तों के असाध्य रोग ठिक होते है ऐसी भक्तों की श्रद्धा हैं। ऐसे महान अवतार पुरुष की ख्याति सभी ओर पहुंची और सर्व धर्म के भक्त उनकी ओर आकर्षित हुए। भक्त बाबा के शुभार्शिवाद लेने के लिए आते और उनके चरणो मे दक्षिणा या वस्तुए अर्पण करते थे। आज भी विश्वभर से सर्वधर्मीय लोग साई समाधी के दर्शन के लिए आते है,इसलिए इस श्रध्दास्थान को, बाबा के समाधी मंदिर को आज एकात्मिक और वैश्विक मंदिर का स्वरुप प्राप्त हुआ है।

साईबाबा की इच्छानुसार नागपूर के गोपालराव उर्फ बापुसाहेब बुटी नें १९१४ में बुटीवाडा वास्तू की निर्मिती शुरू की। वाडे के तलमंजिल पर अंर्तभाग में मुरलीधर की मूर्ति स्थापित करने की उनकी इच्छा थी। **" वाडें में रहों शरिर अंति बाबा के उद्‌गार। ही अंत में ठहरा विचार। हुए मुरलीधर बाबाही॥३६॥"** (श्री साई सच्चरित अध्याय ४४ ) श्री साईंबाबा शिर्डी में भारतीय सौर ७ शके १८४० अश्विन शुध्द दशमी मंगलवार दि. १५ अक्टूबर १९१८ को दोपहर के समय पंचतत्व में विलिन हुए। बाबा नें अंतिम क्षणों में **'मुझे वाडे में लेकर चलों '**ऐसी दी हुई आज्ञा बुटी के साथ सभी भक्तों नें मुरलीधर के लिए बनवाए चौथरे की जगह पर समाधी बनवानें का निश्चय किया।

श्री साईबाबा इह लोक को छोडनें के बाद, उनकी इच्छा अनुसार नागपूर के लक्षाधीश कै. गोपालराव मुकूंद बुटी इन्होंने बनवाये भव्य वाडे में उन्हें रखा गया। आज वही जगह समाधी मंदिर नाम से जानी जाती हैं। कुछ भक्तों की इच्छानुसार प्रमुख भक्तो ने एक व्यवस्थापक समिति बनवाकर पूजा-भजन, भंडारा आदि की शुरुवात की। दि. २७ अक्तूबर १९१८ से 'साई समर्थ साईनाथ कोठी' नाम का फंड मंदिर तथा परिसर में पूजा-अर्चा के लिए शुरू किया गया। मंदिर में बाबा नें उपयोग में लायी वस्तूएँ भी रखी गयी है। बाबा की बैठने की, भक्तों को मिलने की जगह तथा अन्य जगहों का ठीक तरह से रखरखाव करनें की व्यवस्था की गई है।

व्यवस्थापन समितीद्वारा जिला न्यायालय, अहमदनगर में अधिकतम मदद के लिए १९२१ का दिवाणी अर्ज किया। उसके अनुसार जिला न्यायालय नें १३ फरवरी १९२२ में साईंबाबा के संस्थान का कारोबार चलाने के लिए तथा संस्थान के हक की संपत्ति तथा दान व्यवस्था देखनें के लिए एक योजना मान्य की गई। उसके बाद कोर्ट के प्रतिनिधी नें शिर्डी में आकर यह संपत्ति 'श्री मोरेश्वर प्रधान' तथा अन्य चार विश्वस्तों के हाथ सौंपी। उसके बाद कै. दासगणू महाराज की अध्यक्षता में पहली समिती की स्थापना होकर दि. ०६ अप्रैल १९२२ (श्री रामनवमी) को समिती की प्रथम सभा आयोजित की। उसमें पाँच आजीवसह १५ सदस्य थे।

इस कमिटी के अधिकारों में बार-बार पहले किये कानूंनों में सुधार करके नया कानून बनवाया गया। सुधारित कानून १ अक्तूबर १९४१ से अमल में लाया गया। बाद में जिला न्यायालय में सन १९५१ की संकीर्ण अर्जी नं. १७ इसमें थोडा बदलाव करके सन १९२२ की उस समय की मूल योजनाही मान्य की गई। १९२२ की पुरानी योजना के कलम इस योजना नें रदद् कर दिए। सन १९५१ को जिला न्यायालय नें मॅनेजिंग कमिटी को नियम तथा कानून करनें की सूचना दी। उसके अनुसार दि. १३ सितम्बर १९५४ को भक्तमंडल नें चुनाव किए कमिटी नें आवश्यक नियम कानून का मसुदा तयार करके उसमें सभी उक्त कानून नियम डालें गए। यह योजना, कानुन और नियम भक्तमंडल द्वारा दि. ५ अक्तूबर १९५५, दि. २० नवम्बर १९५५ तथा दि. १८ दिसंबर १९५५ को भक्तमंडल की विशेष साधारण सभा में स्वीकार किया गया। इसके संबंध में जिला न्यायालय की मान्यता ११ मई १९५६ को संकिर्ण अर्जी नं. २०/५६ के तहत मिली। प्रस्तुत कानून तथा नियम ११ मई १९५६ में अमल में लायी गई। उसके अनुसार १९५६ से १९६२ तक प्रस्तुत समिती के पास कारोबार था। बाद में सन १९६२ से १९८४ इस काल में मा. सिटी सीवील कोर्ट मुंबई के नियंत्रण में संस्थान का कारोबार कोर्ट रिसीव्हर देखते थे।

संस्थान ट्रस्ट के कुल मिलकीयत एवं दान में होनेंवाली बढोंत्तरी, भक्तों की बढती संख्या तथा उनको दी जानेवाली सुविधा और देश की रचना के महत्वपूर्ण बदलाव, समाज की धार्मिक तथा धर्मदाय संस्था विषय की संकल्पना इनका विचार करके जमा हुआ निधि गरिब, दीन, दलिंतों के कल्याण हेतू उपलब्ध करानें का निर्णय हुआ। तथा उत्तम प्रशासन, नियंत्रण के लिए मा. दिवाणी न्यायालय मुंबई के दि. १८ अक्तूबर १९८२ (दावा नं. ३४५७/६०) के आदेशानुसार योजना तैयार की गई। मा.दिवाणी न्यायालय, मुंबई ने बनाई योजनानुसार संस्थान व्यवस्थापन का कारोबार धर्मादाय आयुक्त, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई. इनके नियंत्रण तथा नियुक्त विश्वस्तमंडल अंतर्गत १९८४ से माह अगस्त २००४ के अंत तक शुरु था।

उसके बाद महाराष्ट्र शासन नें शिर्डी संस्थान ऑफ श्री साईबाबा इस नाम से पंजीकृत हुई श्री साईबाबा संस्थान की सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था पुनर्गठित करने के लिए तथा विश्वस्तव्यवस्था को जनता के लिए व्यापक कल्याणकारी योजना बनानें हेतू उसका उत्तम व्यवस्थापन, प्रशासन तथा नियंत्रण करने के लिए 'श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्थव्यवस्था, शिर्डी' अधिनियम २००४ का कानून संमत किया। जो दि.

२३/०८/२००४ से अंमल में आया। इसमें सन २०११,२०१३,२०१७ वर्ष मे कुछ सुधार किए गए। जिसमें अधिनियम अद्यतन किए गए जिसके अनुसार आज भी संस्थान का कारोबार चल रहा है।

श्री साईबाबा का मूल नाम, जाँति, धर्म अज्ञात होने से हर धर्मीय को बाबा अपने लगतें हैं। विश्व में बाबा सर्वधर्म समभाव के प्रतिक माने जातें है। सांईं का समाधी शताब्दी वर्ष १ अक्तूबर २०१७ से १८ अक्तूबर २०१८ इस काल में मनाया गया। हमने साईबाबा के जमाने में भले ही जन्म न लिया हो फिर भी बाबा के समाधी शताब्दी वर्ष के गवाह बननें का भाग्य हम सभी को नसीब हुआ है। इस शताब्दी में साईं समाधी का दर्शन हमारे जीवनी की अमूल्य देन तथा सुवर्णक्षण बन गया है। समाधी शताब्दी के ऐतिहासिक कालखंड स्मरण रखनें के लिए साईबाबा संस्थान, शिर्डी नगरपंचायत, तथा ग्रामवासिंयों नें विविध सामाजिक, धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसके लिए देश के विविध शहरों में बाबा की पादुकाओं का दौरा आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न स्थानों के साई मंदिर व्यवस्थापन नें आनंद से सहभाग लिया।

## श्री क्षेत्र शिर्डी के अन्य पवित्र स्थान

### ग्रामदेवताओं के मंदिर:-

मंदिर परिसर में ही **श्री गणेश, श्री शनीदेव, तथा श्री महादेव, गुरूस्थान, दत्तमंदीर एवं नंदादीप** इन देवताओं के मंदिर है। मंदिर के पास ही **दक्षिणमुखी श्री हनुमान** मंदिर है। यह सभी मंदिर साईबाबा के काल के ही है,जिनमें रोजाना पुजापाठ तथा धार्मिक विधि संस्थानव्दारा नियमित रूप से किए जाते है।

**श्री खंडोबा मंदिर –**

यह मंदिर शिर्डी बस स्टेशन तथा श्री साईबाबा अस्पताल के नजदीक है। औरंगाबाद जिला स्थित धूपखेडा के चाँद पाटिल की पत्नि के भाँजे की शादी मे आयी बारात जब शिर्डी पहुँची तब मंदिर के नजदिकी वटवृक्ष के तले बाबा उतरे थे।इस बारात के साथ आया फकिर भीड के साथ जब खंडोबा मंदिर के सामने उतरा तब वहाँ के मंदिर के पुजारी म्हालसापति नें इस फकीर का **"आओ साई"** कहकर स्वागत किया। तब से उनका **"साई"** यह नाम प्रचलित हुआ।

इसि के साथ शिर्डी से पूरब में ३ कि.मी. की दूरी पर बिरेगांव बन में **" श्री वीरभद्र"** इस ग्राम देवता का मंदिर है।

**अन्य स्थान –** श्री साईबाबा के साथ रहे उनके परम भक्त श्री. तात्या पाटील कोते, श्री भाऊ महाराज कुम्हार, श्री व्ही. पद्मनाथ अय्यर, श्री.नानावली, श्री.अब्दुलबाबा इनके समाधीस्थल मंदिर परिसर में लेंडीबाग के पास है। वही पर बाजू में श्री दत्त मंदिर तथा नंदादीप भी हैं। इन मंदिरों के साथ बाबा के समय का कुआँ (बावडी) भी यहीं पर हैं।

## मंदिर के दैनंदिन कार्यक्रम

| कार्यक्रम | समय | शुल्क |
|---|---|---|
| काकड आरती | सुबह ४:३० बजे | ६००/- |
| साईबाबां का मंगलस्नान | सुबह ५:०५ बजे | --- |
| दर्शन प्रारंभ | सुबह ५:४० बजे | २००/- |
| श्री साई सत्यव्रत पुजा | सुबह ७:००, ९:०० तथा ११:०० बजे | १००/- |
| अभिषेक | सुबह ७:०० तथा ९:०० बजे | १०१/- |
| माध्यान्ह आरती | दोपहर १२:०० बजे | ४००/- |
| धुपारती | सुर्यास्तपर | ४००/- |
| शेजारती | रात को १०:३० बजे | ४००/- |

साईंभक्तों का दर्शन शुरू होने के बाद भक्तों के कल्याण हेतू संस्थान द्वारा स्वतंत्र रूप से अभिषेक पुजा के माध्यम से संकल्प छोडा जाता है।

सत्यनारायण और अभिषेक पूजा के लिए प्रति दंपत्ती से रू. १०१/- लेखा शाखा में भरके पर्ची दी जाती है।

**शरण मेरी आया और व्यर्थ गया ।**
**दिखाओ दिखाओ ऐसा कोई ।।**

# संस्थानद्वारा मनाये जानेवाले महत्वपूर्ण उत्सव और रथ-पालखी आदि की जानकारी
## सन २०२१ शके १९४३-४४

| अ.क्र. | महत्वपूर्ण और स्थानिक उत्सव | तिथी | दिनांक | दिन | रथ/पालखी | समय |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | महाशिवरात्री | माघ कृ. १३ | ११/०३/२१ | गुरुवार | पालखी | रात ९.१५ |
| २ | रंगपंचमी | फाल्गुन कृ.५ | ०२/०४/२१ | शुक्रवार | रथ | शाम. ५.०० |
| ३ | गुढी पाडवा शके १९४३ | चैत्र शु. १ | १३/०४/२१ | मंगलवार | रथ | शाम. ५.०० |
| ४ | i) श्री रामनवमी उत्सव (प्रारंभ दिन)<br>ii) श्री रामनवमी (मुख्य दिन- श्रीराम जनम/संदल विधी)<br>iii) श्री रामनवमी (समापन दिन) | चैत्र शु.८<br>चैत्र शु.९<br>चैत्र शु.१० | २०/०४/२१<br>२१/०४/२१<br>२२/०४/२१ | मंगळवार<br>बुधवार<br>गुरूवार | पालखी<br>रथ<br>नित्य पालखी | रात. ९.१५<br>शाम. ५.००<br>रात. ९.१५ |
| ५ | आषाढी एकादशी | आषाढ शु. ११ | २०/०७/२१ | मंगळवार | पालखी | रात. ९.१५ |
| ६ | i) श्री गुरुपौर्णिमा उत्सव (प्रारंभ दिन)<br>ii) श्री गुरुपौर्णिमा उत्सव (मुख्य दिन)<br>iii) श्री गुरुपौर्णिमा उत्सव (समापन दिन) | आषाढ शु.१३<br>आषाढ शु.१४<br>आषाढ शु.१५/१ | २२/०७/२१<br>२३/०७/२१<br>२४/०७/२१ | गुरूवार<br>शुक्रवार<br>शनिवार | पालखी<br>रथ<br>-- | रात. ९.१५<br>रात. ९.१५<br>-- |
| ७ | श्री साईसच्चरित सामुदायिक पारायण समारोह (गोकुलअष्टमी उत्सव आरंभ) | सावन कृ. १ | २३/०८/२१ | सोमवार | -- | -- |
| ८ | गोकुल अष्टमी | सावन कृ. ८ | ३०/०८/२१ | सोमवार | श्रीकृष्ण जनम | समाधी मंदिर |
| ९ | गोपालकाला (श्री साईसच्चरित सामुदायिक पारायण समारोह समापन) | सावन कृ. ९ | ३१/०८/२१ | मंगळवार | रथ | रात. ९.१५ |
| १० | i) श्री पुण्यतिथी उत्सव (प्रारंभ दिन)<br>ii) श्री पुण्यतिथी उत्सव (मुख्य दिन)<br>iii) श्री पुण्यतिथी उत्सव (तृतीय दिन)<br>iv) श्री पुण्यतिथी उत्सव (समापन दिन) | आश्विन शु. ९<br>आश्विन शु. १०<br>आश्विन शु. ११<br>आश्विन शु. १२ | १४/१०/२१<br>१५/१०/२१<br>१६/१०/२१<br>१७/१०/२१ | गुरुवार<br>शुक्रवार<br>शनिवार<br>रविवार | पालखी<br>रथ<br>--<br>-- | रात. ९.१५<br>रात. ९.१५<br>--<br>-- |
| ११ | **दिपावली उत्सव**<br>i) लक्ष्मीपूजन<br>ii) बलिप्रतिपदा<br>iii) भाईदूज | <br>आश्विन कृ.३०<br>कार्तिक शु.१<br>कार्तिक शु.२ | <br>०४/११/२१<br>०५/११/२१<br>०६/११/२१ | <br>गुरुवार<br>शुक्रवार<br>शनिवार | <br>नित्य पालखी<br>--<br>-- | <br>रात. ९.१५<br>--<br>-- |
| १२ | कार्तिकी एकादशी | कार्तिक शु.११ | १५/११/२१ | सोमवार | पालखी | रात. ९.१५ |
| १३ | श्री दत्त जयंती | मार्गशीर्ष शु.१४/१५ | १८/१२/२१ | शनिवार | रथ | रात. ९.१५ |
| १४ | गुढीपाडवा शके १९४४ | चैत्र शु. १ | ०२/०४/२२ | शनिवार | रथ | सायं.५.०० |
| १५ | **श्रीरामनवमी**<br>i) श्री रामनवमी उत्सव (प्रारंभ दिन)<br>ii) श्री रामनवमी (मुख्य दिन- श्रीराम जनम/संदल विधी)<br>iii) श्री रामनवमी (समापन दिन) | <br>चैत्र शु.८<br>चैत्र शु.९<br>चैत्र शु.१० | <br>०९/०४/२२<br>१०/०४/२२<br>११/०४/२२ | <br>शनिवार<br>रविवार<br>सोमवार | <br>पालखी<br>रथ<br>-- | <br>रात. ९.१५<br>सायं.५.००<br>-- |

## संस्थान द्वारा मनाए जानेवाले मुख्य उत्सव

### श्रीरामनवमी उत्सव

श्री गोपालराव गुंड नामक बाबा के भक्त थे। बाबा की कृपा से उन्हें पुत्रप्राप्ति हुई।इस खुशी को व्दिगुणित करने के लिए शिर्डी में हर साल मेला या उरूस मनानें की उनकी कल्पना थी। बाबा के शुभार्शिवाद तथा गांववालों के सहकार्य से यह कल्पना सत्य में परिणत हुई। उसका मूर्त स्वरूप याने सन १८९७ से शिर्डी में रामनवमी के दिन मनायी जानेवाली उरूस यात्रा। आगे सन १९११ मे इस उत्सव मे रामनवमी उत्सव मनाया जाने लगा। एक ही दिन मे यह दोनो उत्सव हिंदू मुस्लिम बांधव भाईचारे से मनाते है।

साईकाल मे शुरु हुआ श्री रामनवमी उत्सव श्री क्षेत्र शिर्डी मे आज भी अत्यंत जोरो-शोरोसे मनाया जाता है। हरसाल लगभग तीन दिन तक ये उत्सव मनाया जाता है। श्री रामनवमी उत्सव के लिए राज्य के अनेक भागोंसे दो सौ से भी अधिक पालखीयाँ लेकर पदयात्री यहा आते है। उत्सव के तीन दिनो मे किर्तन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया जाता है। मुख्य दिन द्वारकामाई मे रखी गेहूँ की बोरी बदली जाती है। उसके पूर्व बोरी को समाधी मंदिर मे लाकर उसकी पुजा की जाती है। पुरानी बोरी के गेहूँ पिसकर वह प्रसादालय में भक्तों के प्रसाद भोजन मे इस्तमाल किया जाता है। मंदिर मे रामजन्म का कार्यक्रम होता है। इसी दिन द्वारकामाई मंदिर के निशान बदले जाते है। शाम के समय साईभक्त अब्दुल बाबा की झोपडी से संदल शोभायात्रा निकाली जाती है। यह शोभायात्रा हिंदू- मुस्लिम भाईचारे का प्रतीक है।

### श्री गुरूपौर्णिमा

साईबाबा को गुरू माननेवाले उनके अनेको भक्त है। किंन्तु बाबा नें किसी को भी अपना शिष्य नहीं बनाया और न कभी अपने गुरू के बारे में बताया। इतना सब कुछ होनेंपर भी बाबा के जमानें से ही उन्होंने गुरूपौर्णिमा उत्सव का आरंभ किया। उसके पीछे की कहानी इस प्रकार है, १९०८ वर्ष की गुरूपौर्णिमा के दिन बाबा नें तात्यासाहब नुलकर को व्दारकामाईं में खडे खंम्भे की पूजा करने के लिए कहा। किंन्तु उन्होंनें ऐसा न करते हुए स्वयं बाबाकी पूजा करनें की इच्छा जताई। अंतत: बाबा नें अनुमति दे दी। उसके बाद तात्या पाटील कोते, दादा केळकर इन्होने भी बाबा की पूजा की। वह पूजा शिर्डी की पहली गुरूपौर्णिमा थी। यह गुरूपौर्णिमा की प्रथा आज भी शिर्डी में अविरत जारी है। यह उत्सव रामनवमी तथा पुण्यतिथि उत्सवों की तरह तीन दिनों का ही होता है। इन तीन दिनों में भजन – किर्तन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन जोंरो-शोरों से किया जाता है। उत्सव के पहले दिन व्दारकामाई में श्री साईसच्चरित का अखंड पाठ होता है, तथा दूसरे दिन पाठ का समापन होता है। पहलें दिन ही श्रीं की प्रतिमा को पालखी में रखकर गांव में शोभायात्रा निकाली जाती है। तो दूसरे दिन रथ में श्रीं की प्रतिमा रखकर गांव में शोभायात्रा निकलती है। इस उत्सव के लिए विशेषत: मुंबई, पुणे तथा औरंगाबाद आदि जगहों से हजारों की संख्या में साईभक्त पदयात्राव्दारा साईं की पालखी लेकर शिर्डी पहुँचते है।

## श्री पुण्यतिथि (विजयादशमी/दशहरा) उत्सव

श्री साईबाबा का महानिर्वाण मंगलवार दि. १५ अक्तूबर १९१८ में हुआ। वह दिन विजयादशमी अर्थात दशहरे का था। तभी से उनका पुण्यतिथि उत्सव हर साल विजयादशमी के दिन मनाया जाता है। साईभक्तों की दृष्टि से इस उत्सव का अनन्य साधारण महत्व है। इसि लिए इस उत्सव को साईभक्त लाखों की तादात में श्रध्दापूर्वक उपस्थित होते है। अपने जमाने में बाबा हररोज भिक्षा मांगकर लाते थे। इसके प्रतिक स्वरूप में उत्सव के मुख्य दिन याने विजयादशमी के दिन सुबह गांव में 'भिक्षा झोली' का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम मे मा. व्यवस्थापन समिति के सदस्य, गांववासी, एवं साईभक्त सहभाग दर्शाते है।

इसि दिन समाधी मंदिर में 'आराधना विधी (श्राध्दविधी)' किया जाता है। यह उत्सव तीन दिनों का होता है। इन तीन दिनों में भजन-किर्तन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उत्सव के पहले दिन व्दारकामाईं में श्री साईसच्चरित का अखंड पाठ होता है तथा दूसरे दिन पाठ का समापन होता है। पहले दिन श्रीं की प्रतिमा को पालखीमें रखकर गांव में शोभायात्रा निकाली जाती है। तो दूसरे दिन रथ में श्रीं की प्रतिभा रखकर गांव में शोभायात्रा निकलती है। दशहरे के दिन 'सिमोल्लंघन' किया जाता है।

## गुरूवार की पालखी- (हर गुरूवार रात ९.१५ बजे)

श्री साईबाबा उस जमाने में एक दिन के अंतराल में व्दारकामाई के नजदीक ही चावडी में सोने के लिए जाते थे। १० दिसम्बर १९०९ इस दिन से बाबा की व्दारकामाई से चावडी तक जोरो-शोंरो से शोभायात्रा निकालनें की परम्परा शुरू हुई। यह शोभा यात्रा यानें आज के गुरूवार की पालखी की शुरूवात ही है। उस दिन से चावडी में बाबा की पूजा एवं आरती भी शुरू हुई। इस परम्परा का स्मरण करने के लिए बाबा की पादुकाएँ, सटका तथा प्रतिमा की समाधी मंदिर से व्दारकामाई, द्वारकामाई से चावडी तथा चावडी से पुन: साई मंदिर तक हर गुरूवार को रात ९.१५ बजे पालखी की शोभायात्रा निकाली जाती है। गुरूवार के दिन धुपारती के बाद बाबा की तस्वीर अष्टगंध का तिलक तथा फुलों से सजाई जाती है। प्रतिमा को पितांबर (वस्त्र) पहनाए जाते है। रात नौ बजे समाधी मंदिर के अंतर्भाग में भजन शुरू होता है। ९.१५ बजे साई नाम का उदघोष होता है और शोभायात्रा आरंभ होती है। साईनाम के उदघोष में श्रीं साईबाबा की प्रतिमा तथा पादुकाओं की शोभायात्रा व्दारकामाई में आती है। पुन: भजन प्रारंभ होता है।तदनंतर शिर्डी माझे पंढरपूर मराठी आरती गायन होकर तस्वीर, सटका, तथा पादुका पालखी में रखकर पालखी चावडी की तरफ निकलती है।चावडी में फिरसे आरती होती है। उसके बाद तस्वीर, सटका एवं पादूका पुनः पालखी में रखकर पालखी समाधीमंदिर की ओर मार्गक्रमन करती है।

## संस्थानव्दारा मनाऐं जाने वाले अन्य उत्सव एवं त्यौहार

### 'महाशिवरात्री – (माघ कृष्ण १३/१४)

महाशिवरात्री का कार्यक्रम संस्थानव्दारा मनाया जाता है। इस दिन श्रीं साईबाबा की मुर्ति तथा समाधी पर बेल के पत्तों के साथ अलंकार पहनाऍं जाते है। शाम को धुपारती के बाद ७.३० से ८.३० बजे तक समाधी मंदिर के सामनेवाले स्टेजपर भजन कीर्तन का कार्यक्रम होता है। रात १२ बजे से १.३० बजे तक

गुरूस्थान मंदिर के शिवजी की पिंडीपर मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी के करकमलों से रूद्राभिषेक किया जाता है। उसके बाद गुरुस्थान मंदिर बंद किया जाता है।

**होली (रंगपंचमी – फाल्गुण कृष्ण पंचमी)**

होली का त्योहार संस्थानव्दारा मनाया जाता है। इस दिन समाधी मंदिर में श्रीं साईबाबा की मूर्ति पर पुजारी के हाथों से केशरयुक्त जल गुलाबदाणी से छिडकाया जाता है। तथा शाम ५ बजे श्रीं साईबाबा के रथ की गाँव में शोभायात्रा निकाली जाती है। इस प्रसंग पर शोभायात्रा में भक्तगण होली खेलने का आनंद उठाते है।

**गुढीपाडवा (चैत्रशुध्द प्रतिपदा)**

मराठी नववर्ष का आरंभ गुढीपाडवा से होता है। संस्थानव्दारा गुढीपाडवा का धार्मिक त्योहार मनाया जाता है। सुर्योदय के समय समाधी मंदिर के शिखर के पास पूर्व दिशा में मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी साहब के शुभहाथों से पूजा करके गुढी खडी की जाती है। पाडवा के दिन साईबाबां की मुर्ति पर गाठीकडा (शक्कर से बनी खाने की गोलाकार माला) एवं वस्त्र पहनाकर सुवर्णहार और गाठीकडे का हार दिनभर के लिए पहनाया जाता है। माध्यान्ह आरती के समय पुरन पोली (मीठी चपाती) का नैवेद्यम चढाया जाता है। गुढी पाडवे के दिन शाम को ५ बजें श्रीं के रथ की गाँव से शोभायात्रा निकाली जाती है।

**हनुमान जयंती (चैत्र शुध्द पौर्णिमा)**

प्रात: ४ बजे हनूमान मंदिर खोला जाता है। हनुमान जयंती के दिन सूर्योदय के समय हनुमान जन्म का अभंग गायन होकर जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस दिन मंदिर में रूद्राभिषेक किया जाता है। उसके बाद धूप, दिप, नैवदय (चने की दाल, शक्कर, तथा तरबूज) चढाकर आरती की जाती है। गांव के हनुमान भक्त कोपरगांव से कावड (जल के मटके) में गोदावरी नदी का पाणी लाते हैं इस गंगाजल से सुबह ६.३० बजे हनुमान मुर्ति को स्नान कराया जाता है। रात के समय ग्रामवासी, भजनी मंडल रातभर भजन-कीर्तन करते है। समाधी मंदिर में समाधी के पास काकड आरती (प्रात: की आरती) के पश्चात हनुमान की तस्वीर रखी जाती है।

**आषाढ एकादशी (आषाढ शुध्द एकादशी)**

यह उत्सव महाराष्ट्र के पंढरपूर का है। साईबाबा के भक्त दासगणू को बाबा नें विठ्ठल स्वरूप में दर्शन दिए थे। बाबा के समय में यह उत्सव व्दारकामाई मंदिर में मनाया जाता था। परंपरानुसार आज भी यह उत्सव मनाया जाता है। इस दिन समाधी मंदिर में शिर्डी माझे पंढरपूर मराठी आरती के समय साबुदाना खिचडी का नैवेदयमं चढाया जाता हैं। माध्यान्ह आरती के समय समाधी चौथरे पर विठठ्ल भगवान की प्रतिमा रखकर नैवेद्यम चढाया जाता है। रात को ९.१५ बजे श्रीं साईबाबा की शोभायात्रा गांव में निकाली जाती हैं। पालखी में साईबाबा तथा श्री विठ्ठल की प्रतिमा रखी जाती है। धुपारती के समय।। युगे अठ्ठावीस विटेवर उभा।। यह श्री विठ्ठल की मराठी आरती गायी जाती है।

**सावन सोमवार**

धर्मशास्त्र के अनुसार सावण मास को पवित्र माना जाता है। इस महिनें में शिवजी की आराधना की जाती है। प्रथम सावन सोमवार के दिन श्रींके मंगलस्नान के बाद पूर्ण दिन के लिए समाधी तथा श्रीं की मूर्ति

को सफेद वस्त्र, बेल के पत्ते तथा रूद्राक्ष की मालाएँ परिधान की जाती है। इस दिन खिचडी एवं उपवास के पदार्थो का नैवेदयमं चढाया जाता है। समाधीके चौथरे पर शिवजी की प्रतिमा रखकर सुबह ११.३० बजे को व्दारकामाई मंदिर में होनेवाले वैश्वदेव पूजा को घी तथा भगर (उपवास का धान) चावल का नैवेद्यम चढाया जाता है। सावन मास के हर सोमवार को धुपारती शाम ६.०० बजे की जाती है। धुपारती के पूर्व पुन: एक बार व्दारकामाई मंदिर में वैश्वदेव पूजा की जाती है और घी तथा भगर चावल को भोग में चढाया जाता है। धूपारती के पूर्व महानैवेदयमं अर्पण किया जाता है। आरती के पुर्व रोजाना पाद्यपूजा होने पर धुपारती के बाद होनेवाली पादयपूजा तथा बेसन – रोटी का नैवेदयमं इस **दिन नही चढाया जाता**। धूपारती के समय।। लवथवती विक्राळा ब्रम्हांडी माळा।। यह शिव जी की मराठी आरती गायी जाती है।

**गोकुलाष्टमी (श्रीकृष्ण जन्मोत्सव श्रावण कृ अष्टमी)**

साईबाबा के काल से ही श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाता है। यह उत्सव सामुहिक साई चरित्र पारायण से शुरु होता है। इस दिन उपवास होने के कारण श्री को खिचडी, मुंगफल्ली को पिसकर बनाया कूट एवं फलोंका भोग चढाया जाता है। साईंबाबा के समाधी मंदिर में पालना बाँधा जाता है। उसमें बालकृष्ण की चाँदी की मूर्ति रखी जाती है। इस दिन समाधी मंदिर में रात १० बजे कीर्तन प्रारंभ होता है। कीर्तन के समय समाधी के चौथरे पर बालकृष्ण की प्रतिमा रखी जाती है। रात १२ बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है और किर्तन की समाप्ति की जाती है। श्रीकृष्ण जन्म के बाद बाबा की शेजारती होती है। इस आरती में अद्रक का वडा (सुंठवडा) पिसी हुई मुंगफल्ली का नैवेदयमं चढाया जाता है। उसके बाद समाधी मंदिर बंद किया जाता है। जन्मोत्सव के दूसरे दिन बाबा के मंगलस्नान के बाद समाधी तथा साईबाबा की मूर्ति पर तुलसी का हार पहनाया जाता है। सुबह १०.०० बजे से १२.०० बजे तक गोपालकाला का कीर्तन होता है। उसके बाद दहिहंडी फोडी जाती है। इस प्रकार श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाकर गोपालकाले के दिन रात ९.१५ बजे श्रीके रथ की गाँव में शोभायात्रा निकाली जाती है। गोकुलाष्टमी के दुसरे दिन गोपालकाले के दिन सामुहिक पारायण उत्सव का समापन होता है।

**नारियल पौर्णिमा (रक्षाबंधन - श्रावण शुध्द पौर्णिमा)**

प्रतिवर्ष सावन शु.१५।। इस दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है। पुजारियों के हाथों से बाबा को राखी बाँधी जाती है और उसके बाद रोजाना कार्यक्रम होते है। इस दिन मूर्ति को अलंकार पहनाएँ जाते है।

**पोला (बैलों का त्योहार - श्रावण कृष्ण आमावस्या)**

इस दिन मध्यान्ह आरती के समय मिट्टी के पाँच बैल तथा एक गाय की तिलक, अक्षदा तथा पुष्प अर्पित करके समाधी के चौथरे पर पुजारियों के हाथों से पूजा की जाती है। उसके बाद उन्हे पुरणपोली का भोग चढाया जाता है। तद्रंतर दैनिक गतिविधियाँ होती है।

**गणेश चतुर्थी ( भाद्रपद शुध्द चतुर्थी)**

माध्यान्ह आरती के समय समाधी चौथरे पर गणेश जी की प्रतिमा रखी जाती है। दूसरे दिन काकड आरती के समाप्ति के बाद यह प्रतिमा उठाई जाती है। हररोज के भोग के साथ साईबाबा को मोदक का भोग भी चढाया

जाता है। धुपारती के पूर्व गणेश जी की आरती।। सुखकर्ता दु:खहर्ता वार्ता विघ्नाची।। यह गणेशजी की मराठी आरती गायी जाती है।

**अनंत चतुर्दशी (भाद्रपद शुध्द पौर्णिमा)**

माध्यान्ह आरती के समय समाधी चौथरे पर गणेशजी की प्रतिमा रखी जाती है। प्रतिमा दूसरे दिन काकड आरती होने के बाद निकाली जाती है। रोजाना नैवेद्यम के साथ साईबाबा को मोदक (गेहूँ के आटे से तथा शक्कर, नारियल से बनाया पदार्थ) का भोग चढाया जाता है। धूपआरती में।। सुखकर्ता दु:खहर्ता वार्ता विघ्नाची।। यह गणेशजी की मराठी आरती गायी जाती है।

**कोजागरी पर्व (अश्विन शुध्द पौर्णिमा)**

प्रतिवर्ष अश्विन शु.१५।। को संस्थानव्दारा कोजागरि पर्व मनाया जाता है। रात ११.०० बजे समाधी मंदिर में बाबा को लक्ष्मी इंद्र का स्वरूप मानकर समाधी का पूजन होता है। पूजा के बाद नारियल पाणी, भिगोये पुहे, शक्कर तथा दूध का नैवेद्य चढाया जाता है। रात को १२.०० बजे दूध में चाँद का प्रतिबिंब देखकर मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी साहब के हाथों से पूजा की जाती है। रात १२.१५ के दरमियान शेजारती शुरू होती है। शेजारती के बाद दूध का प्रशाद बांटा जाता है और मंदिर बंद किया जाता है।

**नरक चतुर्दशी (आश्विन शुध्द चतुर्दशी)**

मंगलस्नान के समय श्रीं साईबाबा की मूर्ति तथा समाधी को खुशबूदार उबटन लगाकर मंगलस्नान कराया जाता है। शिरडी माझे पंढरपूर मराठी आरती के समय दिवाली की मिठाईयों के पदार्थो का नैवेद्यम (लड्डू, चिवडा, चकली आदि) चढाया जाता है।

**लक्ष्मीपूजन (अश्विन शुध्द अमावस्या)**

मंगलस्नान के समय श्रीं साईबाबा की मूर्ति तथा समाधी को खुशबूदार उबटन लगाकर मंगलस्नान कराया जाता है। "शिरडी माझे पंढरपूर" आरती के समय दिवाली की मिठाईयों के पदार्थो का नैवेद्यम (लड्डू, चिवडा, चकली, करंजी (नारियल, शक्कर, का मिठा पदार्थ) आदि का नैवेद्य चढाया जाता है। दोपहर २.०० बजे से ४.३० बजे तक लक्ष्मीपूजन के लिए भक्तोंके बटूए/ पैसों का पाकिट पुजा हेतू लिए जाते हैं। और धुपारती के बाद पाकीट वापस किए जाते है। दोपहर ४.३० बजे तक दर्शन कतार बंद की जाती है। समाधी चौथरे पर विद्युत दियों से सुशोभित किए हुए चाँदी के कमल में लक्ष्मी जी की मुर्तिको स्थापित किया जाता है। चौरंग पर गेहू उसके उपर चाँदी की नक्काशी का कलश, ताम्हण (तांबे के धातू का कलश) उसमें चाँदी की परम्परागत अशफीया, चाँदी के कमल में लक्ष्मी की खडी मूर्ति तथा बाबा की मूर्ती रखी जाती है। उसके सामने शंख, घंटा, पान का बिडा रखा जाता है। शाम ५.०० बजे संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी साहब के करकमलों से श्रीं के समाधी चौथरे के सामने लक्ष्मीपूजन शुरू होता है। इस प्रसंग पर श्रीं की मूर्ति को सुवर्ण अलंकार पहनाएँ जाते है। लक्ष्मीपूजन की समाप्तीपर श्रीं की धूपारती शुरू होती है। धुपारती के भोग में धनीया, गुड, पोहा, मिठाई तथा मिठे पदार्थ रखे जाते है। धुपारती के समय।। सुखकर्ता दु:खहर्ता वार्ता

विघ्नाची।। यह गणेशजी की और।।दुर्गे दुर्घटभारी  तुजविण संसारी।। यह देवी की मराठी आरती गायी जाती है।

**दीपावली बलिप्रतिपदा (पाडवा- कार्तिक शुध्द प्रतिप्रदा)**

"शिर्डी माझे पंढरपूर" आरती के बाद संस्थानव्दारा दर्शनार्थी भक्तों को सूजि के लड्डू प्रशाद के स्वरूप में बाँटे जाते  है।

**कार्तिकी एकादशी (कार्तिक शुध्द एकादशी)**

कार्तिक शुध्द एकादशी को प्रबोधिनी नाम से भी संबोधित किया जाता है। यह विष्णू का प्रबोध उत्सव होता है। भगवान का चर्तुमास (व्रत) इस एकादशी को समाप्त होता है। इस दिन भगवान निद्रा से जगते है ऐसी मान्यता है। श्रीं के मंगलस्नान के बाद उनकी मूर्ति को पुष्प तथा तुलसी का हार पहनाया जाता है। "शिर्डी माझे पंढरपूर" आरती के समय सागों की खिचडी का भोग चढाया जाता  है। दोपहर १२.०० बजे मध्यान्ह आरती के समय समाधी चौथरे पर श्री विठ्ठल की प्रतिमा रखी जाती है। रात ९.१५ बजे श्रीं की शोभायात्रा गाँव में निकाली जाती है। पालखी में साईबाबा तथा श्री विठ्ठल की प्रतिमा रखी जाती। धुपारतीके समय।। युगे अठ्ठावीस वीटेवरी उभा।। यह श्री विठ्ठल की मराठी आरती गायी जाती है।

**तुलसी विवाह कार्यक्रम (कार्तिक शुध्द** व्दादशी**)**

हर साल व्दारकामाई मंदिर में शाम की धुपारती के बाद तुलसी विवाह का कार्यक्रम संपन्न होता है। इस विवाह विधी के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी सपत्निक उपस्थित रहते है। इस प्रसंग पर संपूर्ण विवाह विधी का कार्यक्रम होता है।

**श्रीदत्त जयंति (मार्गशीर्ष शुध्द पौर्णिमा)**

श्रीं के मंगलस्थान के बाद मूर्ति का पुष्पहार तथा तुलसी का हार पहनाया जाता है। " शिर्डी माझे पंढरपूर" आरती के समय सागों की खिचडी का नैवेद्य चढायां जाता है। दोपहर १२.०० बजे मध्यान्ह आरती होती है। इस समय समाधी चौथरे पर श्री दत्तगुरू  महाराज की तस्वीर रखी जाती है। शाम को ४.०० से ६.०० बजे तक श्री दत्त जन्म पर कीर्तन होता है। धूपारती में श्री दत्त महाराज की आरती गाई जाती है। इस दिन लेंडीबाग दत्तमंदिर में आरती का आयोजन किया जाता है। इसि दिन रात ०९.१५ बजे श्री के रथ की गाँव में शोभायात्रा निकाली जाती है। पालखी में श्री दत्तात्रय तथा श्री साईबाबा की प्रतिभा रखी जाती है। धुपारती के समय ।।त्रिगुणात्मक त्रैमूर्ति श्री दत्त हा  जाणां।। यह श्री दत्त भगवान की मराठी आरती गायी जाती है।

**देय (देणगी) धोरण**

देश-विदेश के साईभक्तों को संस्थान के लिए जल्द गति से दान करने कि सुविधा प्राप्त होनें के लिए तथा दर्शन/आरती पास आरक्षित करनें के लिए और संस्थानने भक्तों कों कमरा पंजीकरण करने हेतु online.-sai.org.in एवं sai.org.in इस वेबसाईट पर निम्नलिखित बँको की पेमेंट गेट- वे, नेट  बँकींग और POS मशिन की सुविधा भक्तों  के लिए शुरु की गई है।

- **ऑनलाईन पेमेंट गेट – वे सुविधा :-**

अ) स्टेट बँक ऑफ इंडिया ब) एच.डी.एफ.सी. बँक

- **नेट बँकिंग सुविधा :-**

- अ) स्टेट बँक ऑफ इंडिया ब) सेंट्रल बँक ऑफ इंडिया
  क) युनियन बँक ऑफ इंडिया ड) बँक ऑफ बडोदा इ) एच.डी.एफ.सी. बँक

- **POS मशिन-**

अ) स्टेट बँक ऑफ इंडिया ब) पंजाब नॅशनल बँक

संस्थान के आर्थिक व्यवहार के स्थानोंपर आवश्यक जगहों पर POS/EDC मशिन के माध्यम से डेबिट/क्रेडिट कार्डव्दारा पैसे स्विकारने की Cashless (बिना नगद) सुविधा भक्तों के लिए उपलब्ध कराई गई है। संस्थान परिसर में जगह-जगह पर दानपेटीयाँ रखी गयी है। भक्तगण उसमे दान रक्कम अर्पण कर सकते है। किन्तु जिन भक्तों को देन की पर्ची अपेक्षित है, ऐसे भक्तोंसे दान स्वीकृती के लिए मंदिर परिसर में जगह-जगह पर दान काऊंटर खडे कीए गए है। इस स्थानपर नकद रक्कम, चेक-डीडी, परकीय चलन, POS/EDC मशिनद्वारा तथा वस्तूरुप में दान स्विकारा जाता है।

- जो साईभक्त शिर्डी में आकर दान कार्यालय में रक्कम पच्चीस हजार या उससे अधिक नकद/वस्तु स्वरुप में / अन्य बँकिंग सुविधाव्दारा दान देते है उनको संस्थानव्दारा श्री साईसच्चरित ग्रंथ, श्री साईं का थ्रीडी फोटो (प्रत्येक को एक) इस तरह सें संस्थानद्वारा सस्नेह भेंट दी जाती है। तथा इन दान देनेवाले भक्तों कों उसी दिन एक समय का दर्शन तथा आरती की मुफ्त सुविधा दी जाती है। आरती के लिए भक्तों की संख्या पूरी होने पर ऐंसे भक्तों को अगली आरती की सुविधा स्वरूप में प्रवेश अनुमती दी जायेगी।

- एक व्यक्ति एक दिन मे केवल रकम रु. १,९९,९९९/- मात्र नकद स्वरुप मे दान कर सकता है।

- नकद रक्कम रुपये 2000/- मात्र से अधिक नकद स्वरूप के दान के लिए आयकर कानून के कलम ८० जी की सुविधा प्राप्त नहीं होगी।

- जो भक्त शिर्डी आने में असमर्थ है वे मनिऑर्डर, चेक-डीडी, ऑनलाइन माध्यमोंद्वारा संस्थान को दान कर सकते हैं। इस स्वरुप की देय के लिए आयकर कानून के कलम ८० जी की सुविधा मिलेगी।

**अ) धर्मदाय/विकासनिधि दान –**

- **सर्व साधारण निधि –** इस निधि द्वारा भक्तों के लिए विभिन्न सुविधाएँ दी जाती है।

- **इमारत निधि–** इस निधि का उपयोग विश्वस्त व्यवस्था तथा भक्तों के उपयोग मे आनेवाली वास्तुओं को बनाने मे किया जाता है।

- **वैद्यक निधि –** जरुरतमंदो को अल्पदर में अत्याधुनिक तथा अद्ययावत सुविधाएँ उपलब्ध कर देने के उद्देश को दृष्टिगत रखकर इस निधि के लिए दान स्विकारा जाता है।

- **अन्नदान निधि –** इस निधि का उपयोग साईभक्तों को अत्यल्प दर में प्रसाद भोजन उपलब्ध कराने के लिए तथा गरिबों को मुफ्त भोजन व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए किया जाता है।

- **शिक्षा निधि :-** ग्रामीण इलाके के तथा शिर्डी परिसर के छात्रों को अत्याधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए श्री साईबाबा संस्थान नें विभिन्न शैक्षिक उपक्रम शुरु किए है। इस शिक्षा सुविधाओं में सुधारणा तथा उनके प्रशासनिक खर्च के लिए इस निधि का उपयोग होता है।

- **नित्य प्रसादालय अन्नदान योजना :-** इस योजना के अंतर्गत आंध्र बँक (अब युनियन बँक ऑफ इंडिया) के सहयोग से दान स्विकार किया जाता है। आनेवाला संपूर्ण निधि बँक में जमा किया जाता है।

**विशेष सूचना–** उपर्युक्त निधि में जमा होनेवाला दान सरकार निर्देशित ८० जी नियमावली के अनुसार आयकर वजावट के लिए पात्र है।

**ब) धार्मिक कार्यक्रम निधि**

1) **अभिषेक निधि –** साईभक्तों के लिए श्री साईबाबा संस्थान की ओर से साई बाबा की अभिषेक पूजा करायी जाती है। प्रति युगल सिर्फ रुपये १०१/- मात्र शुल्क लिया जाता है।

2) **नैवेद्य निधि –** इस निधि का उपयोग श्रीं के हररोज के नैवेद्य के लिए किया जाता है। नैवेद्य निधि के लिए दान स्विकार किया जाता है।

3) **उत्सव निधि –** श्रीरामनवमी, श्रीगुरुपौर्णिमा तथा श्रीसाईबाबा समाधी पुण्यतिथि यह उत्सव हर साल संस्थानव्दारा शिर्डी में मनाए जाते है। इन पर होनेवाला खर्चा दान निधि से किया जाता है।

4) **कोठी (धूप - दीप) निधि -** श्री का समाधी मंदिर, गुरूस्थान, व्दारकामाई तथा चावडी में हररोज पूजा संपन्न होती है। इस निधि की रकम का उपयोग पूजा सामग्री खरिदनें के लिए किया जाता है।

5) **साई सत्यव्रत पूजा निधि (सत्यनारायण) -** संस्थान की ओर से हर रोज श्री साई सत्यव्रत पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रति दंपत्ती के लिए केवल रु. १०० लिए जाते है। इस पूजा के लिए आवश्यक पूजा सामग्री संस्थान ही देता है। प्रस्तुत पूजा के लिए दान स्वीकारा जाता है।

**विशेष सुचना -** उपर्युक्त निधि में जमा होनेवाला दान सरकार निर्देशित ८० जी नियमावली अनुसार वजावट के लिए अपात्र है।

**दान निम्ननुसार स्विकारा जाता है।**

**अ) नकद स्वरुप में दान**

- संस्थान के किसी भी अधिकृत कार्यालय में भारतीय तथा विदेशी चलन की विहीत मर्यादानुसार नकद स्वरुप में दान स्विकारा किया जाता है।

- संस्थान भवन के संगणकीकृत दान कार्यालय।
- साईनिकेतन, दादर, मुंबई का संस्थान का अधिकृत कार्यालय।
- अगर दान धनादेश डीडी अथवा यात्री धनादेशव्दारा दी जाएँ तो रसिद त्वरित दी जाती है। पंजिकृत रसिद धनादेश डीडी अथवा यात्री धनादेश बँक से क्लिअर होने के बाद ८० जी की पंजीकृत रसिद दी जाएगी।

**सूचना – दान का स्विकार करने के बाद संगणीकृत रसिद त्वरित दी जाती है।**

**ब) डाक व्दारा भेजा गया दान –** मनीऑर्डर धनादेश/डीडी अथवा यात्री धनादेश यह कृपया श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट शिर्डी के नाम से निकाले तथा निम्न पते पर भेज सकते है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्त व्यवस्था, शिर्डी
तहसिल -राहाता, जि- अहमदनगर
शिर्डी – ४२३१०९

**सूचना –** रसिद श्री साईबाबा की उदी प्रशाद के साथ दिए गए निर्देशित पते पर भेजी जाएगी

**श्री साईबाबा संस्थानद्वारा भक्तों के लिए दी जानेवाली सुविधाएँ तथा उपक्रम :-**

**सुखदायक दर्शन –**

श्री साईबाबा के दर्शन के हेतू से करोंडो की संख्या में भक्तगण शिर्डी आते है। उनका साईदर्शन सुलभ तथा सुखद होने के लिए दर्शन कतारों का निर्माण किया गया है। श्री साईबाबा मंदिर में समाधी, व्दारकामाई, गुरूस्थान और चावडी यह प्रमुख स्थान है। यहाँ दर्शनके लिए भक्त खिंचे आते है। बीते कुछ सालों से प्रस्तुत दर्शन व्यवस्था का अंदाजा लेते हुए दिपावली पाडवा दिनांक १६ नवम्बर २०२० से सुलभ दर्शन कतार यह संकल्पना श्री कान्हूराज बगाटे, (IAS) मुख्य कार्यकारी अधिकारी इन्होंनें प्रस्तुत की है और अब उस सुलभ दर्शन कतार योजना पर अमल किया जा रहा है। इस योजनाव्दारा भक्तों को मुख्य नंदी हॉल में प्रथमत: प्रवेश दिया जाता है। इसि स्थान पर बाबा के प्रथम मुखदर्शन होते है। उसके बाद भक्त व्दारकामाई में जाता है यहाँ बाबानें प्रज्वलित की हुई धुनी है तथा बाबा इस स्थान पर अपनें भक्तों से विचार – विमर्ष करते थे। फिर भक्त आगे मुख्य समाधी की ओर धीरे-धीरे बढता है। इस तरह मंदीर में श्री साईबाबा का मुखदर्शन लगभग ७ मिनींटों तक होता है। इससे पूर्णत: दर्शन प्राप्ति का आनंद मिलता है।और उसके बाद भक्त गुरूस्थान की ओर मार्गक्रमण करता है। प्रस्तुत दर्शन व्यवस्था के बदलाव के संदर्भ में मकर संक्रांती तक ९ लाख भक्तों ने आनंद व्यक्त किया है। जिनमें मा. शिवराजसिंह चौहाण मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश, मा. श्री भूपेल बघेल, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ, तथा महाराष्ट्र शासन के मंत्री महोदय, सर्वश्री मा.श्री हसन मूश्रीफ, मा.श्री गुलाबराव पाटील, मा.श्री संजय राठोड, मा.श्री. सुब्बा रेड्डी, अध्यक्ष तिरूपती देवस्थान तथा कर्नाटक शासन के मंत्री महोदय सर्वश्री मा. श्री बसवराज एवं श्री सोम शेखर, श्री नितीन चंद्रकांत देसाई, सुप्रसिध्द कला दिग्दर्शक, सर्वश्री श्री भाऊ कदम, श्री भरत जाधव, सुप्रसिध्द मराठी अभिनेते, श्री सोनू सूद एवं श्री आशुतोष राणा, सुप्रसिध्द हिंदी सिने अभिनेते, आदि लोगो ने संतोष व्यक्त किया है और प्रस्तुत दर्शन व्यवस्था आगे भी चलती रहे ऐसी भावना व्यक्त की है।

**साईबाबा मंदिर की दर्शनव्यवस्था -**

| Sr. No. | language | QR Code | लिंक/Link |
|---|---|---|---|
| 1. | मराठी/Marathi Documentary | | Marathi YouTube link https://youtu.be/6jhKlXRXhDk |
| 2. | इंग्लिश/ English Documentary | | English YouTube link https://youtu.be/wIXyBR7SURM |
| 3. | हिंदी/Hindi Documentary | | Hindi YouTube link https://youtu.be/3wXLJg6tqYk |
| 4. | मराठी/ Marathi | | https://youtu.be/GJv4mPk7ccU |
| 5. | हिंदी/ Hindi | | https://youtu.be/zdp1JQsZuzQ |
| 6. | इंग्रजी/ English | | https://youtu.be/XFKHCNe2xt8 |
| 7. | तेलूगू/ Telugu | | https://youtu.be/g6kjQ8aYCfk |
| 8. | तामिळ/ Tamil | | https://youtu.be/Upoxjf74oKY |
| 9. | कन्नड/ Kannada | | https://youtu.be/rJXM68yer8k |
| 10. | मल्याळम/ Malayalam | | https://youtu.be/WvGSpt8Jngo |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 11. | गुजराती/ Gujarati | | https://youtu.be/g01U8lmDYDg |
| 12. | पंजाबी/ Panjabi | | https://youtu.be/p0qJQR_sUG8 |
| 13. | ओरिया/Oriya | | https://youtu.be/nKNgKOsblAU |

**सूचना – उपर दिए बारकोड (QR Code )मोबाईलद्वारा स्कॅन करके आप दर्शन कतार का व्हिडिओ देख सकते है।**

**दर्शनव्यवस्था - पास (नि:शुल्क/सशुल्क)**

श्री साईबाबा के दर्शन अथवा आरती का लाभ लेने के लिए सर्वप्रथम सशुल्क तथा नि:शुल्क पास लेना आवश्यक है। उसके लिए संस्थान की online.sai.org.in इस संकेतस्थल पर तथा द्वार क्र १ के पास जनसंपर्क कार्यालय में सशुल्क दर्शन/ आरती पास की सुविधा उपलब्ध है। तथा निम्न स्थानोंपर सशुल्क तथा नि:शुल्क पास वितरण सुविधा उपलब्ध हैं।

1) श्रीराम पार्कींग,
2) बस स्थानक,शिर्डी
3) साई आश्रम भक्तनिवास
४) द्वारावती भक्तनिवास
५) श्री साईबाबा भक्तनिवासस्थान (५०० कमरे)
६) श्री साई उद्यान

**दर्शन की अन्य सुविधाएँ**

१ दख्खिनमुखी हनुमान मंदिर के पास से **मुखदर्शन की व्यवस्था** (प्रवेशद्वार क्र. ३ के नजदीक)

२ जो भक्त श्री के दर्शन के लिए शिर्डी नही आ सकते उनके लिए **Live Darshan** यह सुविधा टाटा स्काय एवं डीटीएच सेवा देनेवाली कंपनियोद्वारा, टाटा स्काय की सेवा लेनेवाले ग्राहकों के लिए दुरचित्रवाणी और संकेतस्थल पर तथा टी.व्ही ९ इस चॅनेल पर यह सुविधा भक्तोंके लिए उपलब्ध है।

३ विनाशुल्क बायोमेट्रीक टाईम दर्शन पास।

४ शिर्डी मे जनसंपर्क कार्यालय मे बिना सिफारीश सशुल्क दर्शन पास व्यवस्था।

५ दर्शन / आरती के पास आनलाईन (www.online.sai.org.in) इस वेबसाईटपर निकालनेकी सुविधा है

**सूचना - अंध तथा दिव्यांग व्यक्ति, गर्भवती महिला तथा ज्येष्ठ नागरिकों ने दर्शन कतारों में खडे रहने की आवश्यकता नहीं है। उनके लिए प्रत्यक्ष दर्शन की सुविधा की गई है।**

## साई प्रसादालय –

साईभक्तों को प्रसादभोजन की सुविधा विनाप्रयास, विनाविलंब होने के लिए सभी सुविधाओं से युक्त 'श्री साईप्रसादालय' का निर्माण किया गया है। श्री साईबाबा संस्थान का प्रसादालय भक्तों का एक श्रध्दास्थान है। श्रीसाईबाबा का प्रशाद समझकर भक्त यहाँ पर सुग्रास भोजन का आनंद उठाते है।प्रसादालय के तलमंजिल तथा पहले मंजिल का भोजनकक्ष मिलकर एक ही समय में साढें पाँच हजार भक्त प्रशाद भोजन का लाभ उठा सकते है। प्रशाद भोजन जल्द तथा लज्जतदार बनाने के लिए देश-विदेश में बनवाई गई यंत्रणा का प्रयोग किया जाता है। प्रशाद भोजन में चावल, दाल, चपाती, दो सब्जीयाँ तथा मिष्टान्न इस प्रकार के व्यंजन दिए जाते है। देश की धार्मिक संस्थाओं में यह सबसे बडा प्रसादालय है तथा भोजन का दर्जा,भक्तोंको दी जानेवाली सुविधा एवं उनमें साफ-सुथरापन आदि बातों का परिक्षण करनेपर संस्थान के प्रसादालय को (ISO) आयएसओ मानांकन प्राप्त हुआ है। प्रसादालय परिसर में संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विक्री काऊँटर शुरू किया गया है।

साई संस्थान का प्रसादालय आशिया खंड का धार्मिक स्थल के रूप में बडा प्रसादालय है। यहाँ पर एक समय पर पाँच हजार भक्त भोजन का लाभ उठाते है। आयएसओ (ISO) मानांकन प्राप्त इस भोजनालय में रोजाना लगभग पैतालीस हजार भक्तगण भोजन का लाभ उठाते है। एक ही दिन में नब्बे हजार भक्तगणों को खाना खिलानें का विक्रम भी इस प्रसादालय के नामपर पंजीकृत किया गया है। शताब्दी वर्ष से यहाँपर नि:शुल्क भोजनदान शुरू है। अब नाममात्र शुल्क लेंनें का संस्थान का विचार है।

व्हीआयपी कक्ष में भोजन के लिए पचास रूपये शुल्क लिया जाता है। यहाँ पर चलाया जानेवाला सौर उर्जा प्रकल्प काफी बडी क्षमतावाला है। प्रसादालय में चपाती से लेकर दाल-चावल पकाने तक, बर्तन धोने से सब्जीयाँ काटने तक सभी कामकाज अत्याधुनिक यंत्रणाव्दारा किया जाता है। डिस्कव्हरी चॅनेल नें भी इस प्रसादालय की सराहना की है। अनेक वर्षोंसे प्रसादालय व्दारा वृध्दाश्रम,अनाथाश्रम, मुक-बधीर छात्र तथा संस्थान स्कुलों में एक समय का भोजन जुटायाँ जाता हैं। संस्थान अस्पताल में भी मरिज तथा आप्तजनों को दो समय का भोजन तथा चाय नि:शुल्क दी जाती हैं।

### प्रशादभोजन व्यवस्था -

श्री साईबाबा मंदिर से १ कि.मी. दूरी पर श्री साई प्रसादालय में मुख्य प्रशाद भोजन व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त संस्थान परिसर में साई आश्रम भक्तनिवास, साईबाबा भक्तनिवासस्थान (५०० कमरे) एवं व्दारावती भक्तनिवास इन स्थानोंपर प्रशाद भोजन व्यवस्था शुरू की गई है।

**उपहार सुविधा** - समय सुबह ७ बजे से १० बजे तक (दर रू. ५/-)

**निशुल्क भोजन सुविधा** - समय सुबह १० बजे से रात १० बजे तक

**सशुल्क भोजन** - प्रौढ व्यक्ति रू.५०/- छोटे बालक रू. ३०/-

### लड्डू एवं मिठाई प्रसाद –

शुध्द घी, काजू, बेदाना, सुंठ, विलायची आदि डालकर बनायें गए प्रशाद लड्डूओं के लिए भक्तों की बडी माँग होती है। प्रसादलड्डू साथ ले जानें की सुविधा के लिए लड्डू अच्छी तरह से सुखाकर पेपर थैली में पैक किए जाते हैं।

समाधी मंदिर से दर्शन लेकर बाहर आनेवाले भक्तों के लिए मुफ्त प्रशाद (५० ग्रॅम) का पॅकेट का वितरण किया जाता है।

## कॅन्टीन (उपहारगृह)

शिर्डी में आनेवाले भक्तों के लिए २४ घंटे चाय, कॉफी, दूध, बिस्कुट तथा मिनरल वॉटर संस्थान परिसर, साईआश्रम, साईआश्रम धर्मशाला, श्री साईबाबा भक्तनिवास, व्दारावती भक्तनिवास इन स्थानों पर अल्प दर में वितरण किया जाता है। इसि के साथ श्री साईनाथ एवं श्री साईबाबा हॉस्पीटल में सुबह ४:०० बजे से रात ८:०० बजे तक यह सुविधा अल्प दर में दी जाती है।

प्रत्येक ५० ग्रॅम वजन के ३ मोतीचूर लड्डूओं के पॅकेट का मूल्य २५/- रूपये है।

## उपहार पॅकेट

सुबह ७.०० बजे से १०.०० बजे तक साईभक्तों को अल्प दर (रू. ५/-) में नाश्ता पैकेट का वितरण श्री साईनाथ मंगलकार्यालय, साईआश्रम, साईआश्रम धर्मशाला, साईबाबा भक्तनिवास तथा दोनों अस्पताल में किया जाता है।

## निवासस्थान सुविधा

| अ. नं. | भक्तनिवास का नाम तथा मंदिर से अंतर **Name of Bhaktaniwas & Distance from Temple** | कमरे **Rooms** | शुल्क **Charges (Rs.)** | **Link QR Code** |
|---|---|---|---|---|
| 1 | साईआश्रम भक्तनिवास / **Saiashram Bhaktaniwas (1.5 Km)** | 1536 | 600/- (A/c) 250/- (Non A/c) | https://youtu.be/EFU4LZG-AKs |
| 2 | साईबाबा भक्तनिवासस्थान / **Saibaba Bhaktaniwassthan** (1.5 Km) | 527 | 200/- (Non A/c) | https://youtu.be/Fow39S9HbX4 |
| 3 | द्वारावती भक्तनिवासस्थान / **Dwarawati Bhaktani-wassthan(0.6 Km)** | 316 | 900/- (A/c) 500/- (Non A/c) | https://youtu.be/aaq7pHsDCBw |
| 4 | साईनिवास अतिथीगृह / **Sainiwas Guest house (0.1 Km)** | 24 | 800/- (A/c) | https://youtu.be/-1DefNgJLck |
| 5 | साईउद्यान, शांतीनिकेतन और बस स्थानक / **Saiudyan, Shantiniketan and Bus Station** (0.1 Km) | 77 | Rooms: 50/- to 300/- | https://youtu.be/ihaQFo5uTao |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 6 | साईधर्मशाला<br>**Sai dharmashala (1.8 Km)** | 128 Halls | Halls: 600/- and 900/-<br>20/- per person | https://youtu.be/XHTIVwFMEfI |
| 7 | साई पालखी निवारा<br>**Sai Palkhi Niwara (3 Km)** | **64 Rooms** | **600/- (A/c)** | https://youtu.be/rkrWT6Def98 |

**सूचना – उपर दिए बारकोड मोबाईलद्वारा स्कॅन करके आप निवासव्यवस्था का व्हिडिओ देख सकते है। निवासव्यवस्था बुकिंग सुविधा संस्थान के online.sai.org.in इस वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।**

## १ अन्य सुविधा

साईबाबा के समय से लगभग एक सौ दस वर्षो की निवास व्यवस्था की परंपरा प्राप्त शिर्डी में सौ रूपए से लेकर पंचतारांकित होटल तक निवास की सुविधा उपलब्ध है। संस्थान के लगभग आठ भक्तनिवासों में २७५० कमरे हैं। इनमें तीन सौं रूपयों से नौं सौं रूपयों तक साधारण तथा वातानुकूलित कमरे उपलब्ध हैं। संस्थान भक्तनिवास के कमरे ऑनलाईन पध्दतीसे पहलें ही बुक किए जा सकते है। संस्थान के साईआश्रम दों में हर व्यक्ति बीस रूपए ऐसा नाममात्र शुल्क लेकर भक्तों को निवास उपलब्ध कर दिया गया है। बडी संख्या में आनेवालें भक्तों के लिए तथा पथयात्रीयों के लिए हॉल की सुविधा भी उपलब्ध कराई गयी है।

## २ हेलिपॅड

श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्तव्यवस्था,शिर्डी की ओर से मौजे निमगांव को-हाले की सीमा में विभाग (गट) नं. १९५ में एक ही समय में ०३ हेलीकॉप्टर्स की लॅण्डीग सुविधा उपलव्ध कराई गयी है। प्रस्तुत स्थान का Google Location https://goo.gl/maps/br1T9VHsJegEyykN9 है। इसके लिए संस्थान का shirisaibabasanthan@gmail.com इस मेल आयडी पर हेलीकॉप्टर लॅण्डीग अनुमती के लिए मेल भेजे। अधिक जानकारी के लिए जनसंपर्क विभाग के ०२४२३-२५८७७५ इस नंबर पर संपर्क करे।

संस्थान का हॅलीपॅडउपयोगहेतू रक्कम रू. ५,०००/- अधिक जीएसटी (CGST 9 %) रूपयें ४५०/- तथा (SGST 9%) रूपयें ४५०/- ऐसे रुपयें ५,९००/- तथा अग्निशमन उपयोग का सेवाकर प्रथम ३ घंटे के लिए ४०००/- अधिक जीएसटी (GST 9 %) रूपये ३६० एवं (SGST 9%) रूपये ३६० रूपये ४,७२०/- इसि के साथ ॲम्ब्युलन्स के लिए रूपये १,५००/- अनुसार कूल रकम रूपये १२,१२०/- लिए जाते है। और उसके बाद एकघंटे के लिए रू.१०००/-अधिक जीएसटी (CGST9%) एवं (SGST-9%)इस प्रकार रकम ली जाती है। रात के हॉल्ट के लिए हॅलिपॅड इस्तेमाल सेवाकर रू.५०००/- अधिक निवास हेतू रू.२०००/- अधिक जीएसटी (CGST 9 %) तथा (SGST 9%) इस तरह से शुल्क लिया जाता है।

**सुचना –**उर्पयुक्त मुल्य और कम करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। जल्द ही इस मामले मे निर्णय अपेक्षित है।

**३ वाहन सुविधा-**

- श्री साईबाबा भक्तनिवासस्थान एवं साईआश्रम - १ यहाँ से साईभक्तों के लिए साईमंदिर तथा आगे प्रसादालय इस मार्गपर निःशुल्क बस सेवा।
- नगरसुल स्टेशन से शिर्डी पहुँचने और शिर्डी से वापस नगरसुल स्टेशन जाने के लिए भक्तों को अत्यंत कम दरों पर २ बसें प्रदान की गई है।
- साईंनगर रेल्वे स्टेशन से साईं भक्तों को मंदिर परिसर में लाने के लिए २ यात्री बसों की मुफ्त सुविधा।
- स्कूली बच्चों के परिवहन के लिए ११ स्कूल बसें नाममात्र दरों पर चल रहीं हैं।
- श्री साईंबाबा ज्युनियर कॉलेज में पढने वाली छात्राओंके लिए मामूली शुल्क पर कॉलेज बस।
- साईं आश्रम - १ में भक्त निवास क्षेत्र में बुजुर्गो और विकलांग भक्तों के लिए २ बैटरी कार कार्यरत है।

**नगरपंचायत –**

कुछ सालों पूर्व गंदा शहर ऐसी प्रतिमा होनेवाले शहर नें बीते दों-तीन वर्षो में स्वच्छता का राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है। शहर की स्वच्छता, रास्ते के किनारे के पेड, खुले जगह के घने पेड, छोटे-बडे पार्क, दुभाजक में लगवाऐं पेड, रंगिन दीवारे, पाणी की टंकीयाँ, विकसित सेल्फी पॉईट भक्तों का ध्यान खिंचते है तथा आकर्षित करते हैं। नगरपंचायत का घन कचरा एवं खाद निर्मिति प्रकल्प स्वच्छता के क्षेत्र में काम करनेवालों के लिए मार्गदर्शक हैं।

साईबाबा संस्थान भी कुछ दिनों में साईं गार्डन, लेझर शो का काम भी शुरू कर रहा है। इस कारण भक्तोंका शिर्डी में निवास बढनें वाला है।

**साईबाबा संस्थान के सेवाभावी उपक्रम –**

भक्तोंद्वारा मिलनेवाली देन से सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती है। उसि के साथ संस्थान बाबा की सिख को दोहरानें के लिए प्रशादालय के भोजनदान के साथ-साथ मरिज सेवा, शिक्षा ऐसे समाजोपयोगि उपक्रम चलाता है। श्री साईबाबा यह स्पेशालिटी तथा श्री साईनाथ यह सर्वसामान्य अस्पताल है। श्रीसाईबाबा अस्पताल में नाममात्र तथा श्री साईनाथ रुग्णालय में निःशुल्क उपचार किए जाते है। इस साल साईनाथ अस्पताल में ३ लाख ७५ हजार मरिजों नें मुफ्त मरिजसेवा का तथा श्री साईबाबा अस्पताल में एक लाख ७५ हजार मरिजों नें नाममात्र दर में उपचार लिए। रुग्नालयद्वारा यहाँ का वृध्दाश्रम, अनाथाश्रम तथा मुक-बधीर स्कूल के छात्रों तथा साकुरी की कन्याकुमारी संस्थान की साधकों को मुफत वैद्यकीय सेवा दी जाती है। इसके बावजूद शिर्डी के देहातों में घुमतें वैद्यकीय पथकोंद्वारा निःशुल्क मरिज सेवा दी जाती है। सालभर अस्पताल के माध्यम से अनेक मुफ्त शिवीरों का आयोजन भी किया जाता हैं।

अन्य जगहों पर बडे रोग तथा शस्त्रक्रिया पर उपचार लेनेवाले मरिजों को भी संस्थान द्वारा वैद्यकीय अनुदान दिया जाता है। संस्थान नें अद्यतन रक्तपेढि का भी निर्माण किया है। मंदीर परिसर में रक्तदान के लिए कक्ष शुरू किया गया है। भक्त जिस श्रध्दा से साईचरणों में गदगद भाव से पैसों का दान करते है उसि श्रध्दासे रक्तदान भी करतें हैं। इस रक्तदान द्वारा संस्थान के साथ अनेक सेवाभावी संस्था तथा शासकीय रुग्नालय को रक्त पहुँचाया जाता है।

संस्थान के शैक्षिक संकाय में लोअर केजी से पदवी तक शिक्षा की सुविधा है। इसमें पाँच हजार छात्र ज्ञानार्जन करते हैं। शैक्षिक संकाय में अंग्रेजी माध्यम, कन्या शाला, युवाओं को रोजगार देणेवाले आयटिआय तथा महाविद्यालय का समावेश हैं।

**कोविड १९ के संदर्भ में सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण सूचनाएँ**

1) सभी भक्तों ने मास्क पहनना अनिवार्य हैं।
2) सभी भक्तों ने मंदीर एवं मंदिर परिसर में ६ फीट सामाजिक अंतर का पालन करना अनिवार्य है।
3) मंदीर एवं मदीर परिसर में थूँकना तथा धूम्रपान करणे पर सक्त प्रतिबंध है।
4) श्रद्धालु अपनी कीमती वस्तुएँ जैसे मोबाईल, अलंकार(गहनें) पर्स आदि तथा पादत्राण होटल, निवासस्थान अथवा अपनी गाडियों में ही रखें।
5) हाथ स्वच्छ करने हेतु श्रद्धालु सॅनिटायझर का इस्तेमाल करें।
6) मंदीर एवं मंदीर परिसर की मूर्तियों को हाथ लगाना प्रतिबंधित है। नमन या अभिवादन करना स्वागतार्ह होगा।
7) छिंकते तथा खाँसते समय नाक-मुंह पर रुमाल अथवा टिश्युपेपर का उपयोग करें।
8) ६५ वर्ष (आयु) से अधिक उम्र के जेष्ठ नागरिक और १० वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएँ, व्याधिग्रस्त व्यक्ति मंदीर एवं मदीर परिसर में न आए। ऐंसे भक्तों को प्रवेश प्रतिबंधित है।
9) श्री साईबाबा भक्तों नें शिर्डी दर्शन हेतु प्रयाण करनें सें पूर्व दर्शन/ आरती समय और तारिख online.-sai.org.in इस संकेतस्थल पर देखकर निश्चित करना जरूरी है। जिससें श्रध्दालुओं को कोई असुविधा न हों।

**श्री साईबाबा भक्तों हेतु महत्वपूर्ण सुचानाएँ –**

**1) मंदीर दर्शन और अन्य सूचनाओं के बारे में**

१) भक्तों को फंसाया न जाए इस हेतु दर्शन – पूजा के बारें में दलाल एवं माध्यस्थों सें संपर्क न करे।
२) संस्थान कार्यालय के अलावा धार्मिक कार्य अथवा दान हेतु पैसे अथवा वस्तु भेंट देने पर उसकी रसीद माँग लें। दान एवं गुप्तदान देनें हेतु मंदीर परिसर में जगह-जगह दक्षिणा पात्र (हुंडीयाँ ) रखें गए है ।
३) द्वारकामाई कें धुनि के लिए तथा नंदादीप के लिए तेल हेतु दान नगद अथवा वस्तुरुप में द्वारकामाई में किसी के पास न दे। संस्थान के दान विभाग लेखाशाखा में जमा करें। इसके लिए जनसंपर्क विभाग से संपर्क करें।
४) संस्थान द्वारा भक्तों के लिए अल्पदर में सुबह ७ से १० तक उपहार (अन्न पॅकेट) उसके उपरांत प्रसादभोजन व्यवस्था शुरु है उसका लाभ लें।
५) श्रीं के नामपर कुछ लोंग मंत्र-तंत्र अथवा मांत्रिक बनकर घूमते रहतें हैं उनसे दूर रहना आवश्यक है।
६) भिक्षुकों के लिए संस्थान की ओर से स्वतंत्र अन्नदान कक्ष बनावायाँ गया है। अन्नदान के पैसे लेखाशाखा में देनेपर रसीद मिलती है।
७) मंदीर परिसर में भिक्षुकों को दान न करें। दानकक्ष साईप्रसादालय के पास है। यदि दान देना है तो दानविभाग से संपर्क करें।
८) कलाकार साई भक्तों को अपनी कला की हाजिरी श्रीं के समाधि के सामने देंने की इच्छा हो तो मंदीर विभाग अधिक्षक से संपर्क करें।
९) श्रीं के कोई शिष्य अथवा कोई वारिस गद्दीपर विराजमान नहीं है, कोई भी मध्यस्थ नहीं है। किसी ने श्री के जैसा पोशाख परिधान किया है, इस कारण उसपर विश्वास न करें।

१०) श्री साईबाबा मंदिर में भक्तों को प्रवेश के लिए विहीत वेशभूषा संहिता नही है। तथापि कुछ भक्तों का आक्षेप न हो इसलिए सभ्यता पुर्ण वेशभूषा तथा भारतीय परम्परागत वेशभूषा का स्वागत किया जाएगा इसके लिए भक्तों के सहकार्य की अपेक्षा है।

११) साईभक्तोंको दर्शन पास online.sai.org.in इस संकेत स्थल पर सशुल्क तथा नि:शुल्क मिलेगा।

१२) सशुल्क तथा नि:शुल्क दर्शनपास स्वयंका पहचान पत्र एवं स्वयं के फोटो पर आधारित होने से उस दर्शन पास पर दूसरे कीसी को भी प्रवेश नही दीया जाएगा।

१३) दर्शन पास किसी भी दलाल अथवा मध्यस्थ व्यक्ती से न ले उस से आपको फसाया जा सकता है।

**महत्वपूर्ण सूचना –** दर्शन कतार तथा मुख्य मंदिर यह सीसीटीव्ही कॅमेरा के निगराणी में (CCTV Surveillance) है। प्रमाणित नियमावली का भंग होने पर अथवा चित्रिकरण में अक्षेपार्ह बातें दृष्टिगत होने पर दंडनिय कार्रवाई होगी। इसपर अमल करें।

**भक्त निवासस्थान में निवास करते समय महत्वपुर्ण सुचनाएँ**

1. भक्तनिवासस्थान में कमरा मिलनेपर अपनी चीज-वस्तुएँ सुरक्षित रखने के लिए ताला लगाए बिना बाहर न जाए।
2. सार्वजनिक सभागृह में जगह मिलने पर अपने सरोसामान, चीजवस्तु सँभालने की ओर ध्यान दें। सरोसामान के पास अपने विश्वसनीय व्यक्ति होनेपर ही बाहर जाए। भक्तों के सरोसामान के लिए लौकर सुविधा उपलब्ध है।
3. स्नानगृह से बाहर आते समय पैसों का पैकेट, गहनें, घडी, कपडे, बर्तन आदि न भूलें।
4. नगद रकम अथवा गहनें सुरक्षित रखने हेतु निवासस्थान कार्यालय प्रमुख से पूछताछ करनेपर लॉकर मिलेगा।

---

**गुरु-भक्ति जिसकी ऐसी। कमी पडे उसे कैसी।**
**इच्छा करे अपनें मन में जैसी। अप्रयास ही मिले उसे।।**
**उसी भक्ति के पास ऐसी।ब्रम्ह-स्थिति तो दहेज की दासी।**
**वहाँ पृच्छा न करें मोक्ष की। तीर्थ बसते चरणों में।।**
**भक्त जाए जहाँ-जहाँ। किसी भी स्थान पर वहाँ।**
**पहलें ही पहूँच कर रहते खडे वहाँ। देते दर्शन अकल्पित।।**

## श्री सदगुरु साईबाबा का भक्तों को अभय (११ वचन)

1) शिरडी को जिसके लगेंगे पैर।
नष्ट होंगे संकट उसके सभी।१।

2) मेरी समाधी की सीढी चढेगा।
दुःखो का होगा नाश उसके सभी।२।

3) त्याग यह शरीर चला भी मै गया।
दौडुंगा हमेशा भक्तों के लिए ।३।

4) मनोकामना पुरी करेगी समाधी ।
रखो दृढ बुध्दि मुझमे ।४।

5) नित्य मै जिवित जानो यह सत्य।
नित्य लो दृष्टांत अनुभवसे।५।

6) शरण मेरी आया और पथभ्रष्ट हुआ ।
दिखाओ दिखाओ ऐसा कोई ।६।

7) जिस मन का भाव जिस रुप में।
मै प्रसन्न हो जाऊँगा उस रुप में।७।

8) तुम्हारा भार मै वहन करुंगा सर्वथा ।
झुठा न होगा वचन मेरा।८।

9) सहायता यहा सभी को भरपूर।
जो माँगा वह नही है दूर।९।

10) मेरा जो हुआ काया- वाचा- मन से ।
उसका मै ऋणी सर्वकाल।१०।

11) साई कहे वही, वही धन्य।
जो हुआ अनन्य मेरे चरणो में ।११।

# PLANNER

## January

## February

## March

## April

## May

## June

## July

## August

## September

## October

## November

## December

## श्री साई मंदिर परिसर के पवित्र स्थान
## श्री समाधी मंदिर

यह मुख्य मंदिर है। मंदिर की यह अत्यंत भव्य इमारत नागपूर के असीम साईभक्त श्री गोपाल मुकुंद तथा बापूसाहेब बुट्टी नें बाबा के आर्शिवाद से बनवायी है। "बुट्टीबाडा" नाम से यह वास्तू पहचानी जाती है। इस जगह पर श्री साईंबाबा की समाधी तथा मूर्ति है। इस बाडे में मुरलीधर की मूर्ति प्रतिस्थापना करने का बुटीं का मानस था। किन्तु काल के संकेत कुछ और ही थे। बाबा की इच्छानुसार महानिर्वाण के बाद उनका देह बाडें में रखकर समाधी बनायी गयी। बुट्टी बाडे का समाधी मंदिर बन गया। साईबाबा का यह समाधी मंदिर सर्व धर्मियों के लिए मुक्तद्वार बनके विश्व मंदिर बन गया। मंदिर के रोजाना कार्यक्रम प्रातः ४:३० से रात ११:०० बजे तक लगातार चलते है। इसमें श्रीं साईबाबा की प्रातः ४:३० बजे काकड आरती,मंगलस्थान,दोपहर १२:०० बजे माध्यान्ह आरती, सुर्यास्त के समय धुपारती तथा रात १०:३० बजे शेजारती आदि कार्यक्रमों का दैनिक गतिविधियों में समावेष होता है। शेजारती के बाद मंदिर बंद होता है।

(श्री साईं चरित्र अध्याय ४४ वा)

"बाडे में ही पडे यह शरीर। अंत में  बाबा के उदगार।।
वही अंतःमें निश्चित हुआ विचार। स्वयं  बाबा बने मुरलीधर "।।३६।।

https://youtu.be/TIATZVk7o8w

## व्दारकामाई

व्दारकामाई अर्थात एक समय की शिर्डी गाँव की सिमित लकडीयों की खंडहर नुमा मस्जिद ! श्री सांईबाबा के शिर्डी में आगमन पर इस निर्जन और उपेक्षित जगह के भाग्य खूल गए। बाबानें उसका नाम व्दारकामाई रखा। समाधी मंदिर के परिसर में ही यह वास्तू है। श्री साईंबाबा का लगभग ६० वर्षोंका वास्तव्य, उनके चमत्कार तथा लीला की गवाह बनी वास्तू याने **व्दारकामाई** ! बाबा जिस शिला पर बैठते थे वह यहीं पर है। बाबा नें प्रज्वलित की हुई धुनी भी इसि स्थान पर है जो आज भी प्रज्वलित है। बाबा भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने के लिए तथा उनकी बिमारियाँ, असाध्य रोगोंको नष्ट करने के लिए इसि धुनी की रक्षा (उदी) देते थे। आज भी भक्तों को दी जानेवाली उदी इसि स्थान से दी जाती है। इस स्थान पर बाबा हंडी में स्वयं भोजन पकाकर अपने भक्तों को परोसते थे। हर रोज सुबह ८ बजे सुबह का नेवैद्य (न्याहारी) सुबह ११.३० के दरमियान धुनी के आगे वैश्वदेवपूजा, श्रीं साईबाबा की प्रतिमा की पूजा तथा घंटानाद श्याम के समय धूपारती के बाद बेसन-रोटी का नैवेद्यमं एवं हर गुरुवार को रात के समय श्री की पालखी निकाली जाती है।इस पालखी के पूर्व रात ९.१५ बजे से ९.३० बजे तक भजन-कीर्तन आदि कार्यक्रमों का समावेश होता है।

“ बडी कृपालू यह मस्जिदमाई। यह माता भोले भाविकों की।।
कैसी भी विपदा में पडे कोई। करती यह रक्षा त्वरीत।।४९।।
( श्री साईसच्चरीत्र अध्याय २२ वा)

https://youtu.be/ZpfjNQeVgXM

# JANUARY 2021

FRIDAY
**01**

Sunrise - 7:06

Sunset - 6:04

# JANUARY 2021

SATURDAY
**02**

Sunrise - 7:06

Sunset - 6:05

SUNDAY
**03**

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:07

Sunset - 6:06

MONDAY
**04**

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:07

Sunset - 6:06

# JANUARY 2021

TUESDAY
**05**

Sunrise - 7:07

Sunset - 6:07

# JANUARY 2021

WEDNESDAY
**06**

Sunrise - 7:08

Sunset - 6:07

THURSDAY
**07**

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:08

Sunset - 6:08

FRIDAY
**08**

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:08

Sunset - 6:09

# JANUARY 2021

SATURDAY
**09**

Sunrise - 7:08

Sunset - 6:10

# JANUARY 2021

SUNDAY
**10**

Sunrise - 7:08

Sunset - 6:10

**MONDAY**
# 11

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:11

**TUESDAY**
# 12

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:11

# JANUARY 2021

WEDNESDAY
**13**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:12

# JANUARY 2021

THURSDAY
**14**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:12

FRIDAY
15

JANUARY
2021

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:13

SATURDAY
16

JANUARY
2021

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:13

# JANUARY 2021

SUNDAY
**17**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:14

# JANUARY 2021

MONDAY
**18**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:15

**TUESDAY**
# 19

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:15

**WEDNESDAY**
# 20

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:16

# JANUARY 2021

THURSDAY
**21**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:17

# JANUARY 2021

FRIDAY
**22**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:17

SATURDAY
**23**

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:18

SUNDAY
**24**

**JANUARY**
**2021**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:19

# JANUARY 2021

MONDAY
**25**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:19

# JANUARY 2021

TUESDAY
**26**

Sunrise - 7:09

Sunset - 6:19

WEDNESDAY
**27**

**JANUARY 2021**

Sunrise - 7:08

Sunset - 6:20

THURSDAY
**28**

**JANUARY 2021**

Sunrise - 7:08

Sunset - 6:21

# JANUARY 2021

FRIDAY
**29**

Sunrise - 7:08

Sunset - 6:22

# JANUARY 2021

SATURDAY
**30**

Sunrise - 7:08

Sunset - 6:22

SUNDAY
# 31

# JANUARY 2021

Sunrise - 7:07

Sunset - 6:22

# FEBRUARY 2021

MONDAY
**01**

Sunrise - 7:07

Sunset - 6:23

# FEBRUARY 2021

TUESDAY
**02**

Sunrise - 7:07

Sunset - 6:23

WEDNESDAY
**03**

**FEBRUARY 2021**

Sunrise - 7:06

Sunset - 6:24

THURSDAY
**04**

**FEBRUARY 2021**

Sunrise - 7:06

Sunset - 6:24

**FEBRUARY**
**2021**

**FRIDAY**
**05**

Sunrise - 7:06

Sunset - 6:25

**FEBRUARY**
**2021**

**SATURDAY**
**06**

Sunrise - 7:05

Sunset - 6:25

**SUNDAY**
# 07

**FEBRUARY**
**2021**

Sunrise - 7:05

Sunset - 6:26

**MONDAY**
# 08

**FEBRUARY**
**2021**

Sunrise - 7:04

Sunset - 6:26

**FEBRUARY**
**2021**

**TUESDAY**
**09**

Sunrise - 7:04

Sunset - 6:27

**FEBRUARY**
**2021**

**WEDNESDAY**
**10**

Sunrise - 7:04

Sunset - 6:28

THURSDAY
**11**

**FEBRUARY 2021**

Sunrise - 7:03

Sunset - 6:29

FRIDAY
**12**

**FEBRUARY 2021**

Sunrise - 7:03

Sunset - 6:29

**FEBRUARY**
**2021**

**SATURDAY**
**13**

Sunrise - 7:02

Sunset - 6:30

**FEBRUARY**
**2021**

**SUNDAY**
**14**

Sunrise - 7:02

Sunset - 6:30

**MONDAY**
# 15

**FEBRUARY**
**2021**

Sunrise - 7:01

Sunset - 6:30

**TUESDAY**
# 16

**FEBRUARY**
**2021**

Sunrise - 7:00

Sunset - 6:30

**FEBRUARY**
**2021**

**WEDNESDAY**
**17**

Sunrise - 7:00

Sunset - 6:30

**FEBRUARY**
**2021**

**THURSDAY**
**18**

Sunrise - 6:59

Sunset - 6:30

FRIDAY
**19**

**FEBRUARY 2021**

Sunrise - 6:59

Sunset - 6:31

SATURDAY
**20**

**FEBRUARY 2021**

Sunrise - 6:58

Sunset - 6:32

# FEBRUARY 2021

SUNDAY
**21**

Sunrise - 6:57

Sunset - 6:32

# FEBRUARY 2021

MONDAY
**22**

Sunrise - 6:57

Sunset - 6:33

TUESDAY
**23**

**FEBRUARY 2021**

Sunrise - 6:56

Sunset - 6:33

WEDNESDAY
**24**

**FEBRUARY 2021**

Sunrise - 6:55

Sunset - 6:33

**FEBRUARY**
**2021**

**THURSDAY**
**25**

Sunrise - 6:55

Sunset - 6:34

**FEBRUARY**
**2021**

**FRIDAY**
**26**

Sunrise - 6.54

Sunset - 6:34

SATURDAY
27

FEBRUARY
2021

Sunrise - 6:53

Sunset - 6:34

SUNDAY
28

FEBRUARY
2021

Sunrise - 6:53

Sunset - 6:34

**MARCH**
**2021**

**MONDAY**
**01**

Sunrise - 6:52

Sunset - 6:34

**MARCH**
**2021**

**TUESDAY**
**02**

Sunrise - 6:51

Sunset - 6:35

WEDNESDAY
**03**

**MARCH 2021**

Sunrise - 6:50

Sunset - 6:35

THURSDAY
**04**

**MARCH 2021**

Sunrise - 6:50

Sunset - 6:35

## गुरुस्थान

साईबाबा के स्मृतिस्थलों में से यह एक स्थान है जो समाधी मंदिर के नजदीक है। बाबा जब सोलह साल के थे तब प्रथम बार इस जगह पर देखे गए थे। यह स्थान मेरे गुरु का है ऐसा बाबा कहते थे। श्रीसाईसच्चरित में उल्लेखित **प्रसिद्ध निंमवृक्ष** इसि जगह पर है। साईबाबा की अलौकिक महिमा के कारण इस वृक्ष के पत्ते कभी कडवे नहीं लगते। इस स्थान के बारे में बाबा के वचन है कि यह मेरे गुरु का स्थान है। जो कोई गुरुवार तथा शुक्रवार के दिन इस स्थान पर धूप जलाऐगा उसका कल्याण होगा ऐसा साईचरित्र का दाखिला तथा लोगों के अनुभव है। साईं वचनों के अनुसार हर गुरुवार तथा शुक्रवार को यहाँ धूपकुंड प्रज्वलित किया जाता है। भक्तगण इस कुंड में श्रद्धापूर्वक धूप जलाते है। रोजाना कार्यक्रम के साथ सुबह ११.३० बजे तथा संध्यासमय में धूपारती के बाद नैवेद्यमं चढाया जाता है। गुरुस्थान मंदिर के सामने का धूपकुंड हर गुरुवार तथा शुक्रवार के दिन प्रज्वलित किया जाता है। उत्सव में रुद्राभिषेक भी किया जाता है।

(श्री साईसच्चरित अध्याय ४ था)

" वैसे ही ये श्री साँईनाथ। तरुण सोहल वर्ष की आयुरत।
नीम तले शिरडी गांव गत।प्रथम भक्तार्थ प्रकट हुए "।।१११।।

https://youtu.be/slXVuwr0Z3E

## लेंडीबाग

यह स्थान, मंदिर परिसर में ही है। आज की लेंडीबाग साईबाबा के काल में कंटिले वृक्षों का वन था। इस बाग से पहले एक नाला बहता था। उसका नाम लेंडीनाला था। इसि से ही इस बाग का नाम लेंडीबाग पड़ा। बाबा हररोज दिन में दो बार इस जगह पर आते थे। बाबा के समय में मुंबई के एकभक्त रावबहाद्दूर श्री.मोरेश्वर विश्वनाथ प्रधान ने लेंडीबाग को खरीदकर साईचरणों में अर्पण कर दिया इसलिए इस बाग को **" प्रधान लेंडीबाग "** ऐसा भी कहा जाता है। शिर्डी में उस काल में पाणी का दुर्भिक्ष दूर करने के लिए बाबा की आज्ञानुसार बनवाया गया कुआँ (**बावडी**) इसि जगह पर है।

इस जगह पर बाबा रोज आते थे। इसका स्मरण रखने के लिए लेंडीबाग में स्थित पिपल निम के वृक्ष के निचे एक दीपगृह बनवाया गया है। इस दीपगृह में **नंदादीप** अविरत प्रज्वलित है। लेंडीबाग में ही **श्री दत्त मंदिर** है ठिक उसी के पास साईबाबा का प्रिय घोड़ा **'श्यामकर्ण '** (श्यामसुंदर )चिर निद्रिस्त है। भक्तों को श्री साईसच्चरित का पाठ शांततापूर्ण पढने के लिए लेंडीबाग में **'पारायण कक्ष'** खुला किया गया है। इसका समय सुबह ५ बजे से रात ९ बजे तक है। इस पारायण कक्ष में एक ही समय में लगबग ५० साईभक्त पाठ कर सकते है। पाठ के लिए सभी भाषाओंके साईचरित्र के ग्रंथ संस्थानद्वारा यहाँ रखे गए है।

**https://youtu.be/SLPsgH3Oh9U**

**MARCH**
**2021**

**FRIDAY**
**05**

Sunrise - 6:49

Sunset - 6:36

**MARCH**
**2021**

**SATURDAY**
**06**

Sunrise - 6:48

Sunset - 6:36

**SUNDAY**
# 07

**MARCH**
**2021**

Sunrise - 6:47

Sunset - 6:36

**MONDAY**
# 08

**MARCH**
**2021**

Sunrise - 6:46

Sunset - 6:36

**MARCH**
**2021**

**TUESDAY**
**09**

Sunrise - 6:46

Sunset - 6:37

**MARCH**
**2021**

**WEDNESDAY**
**10**

Sunrise - 6:45

Sunset - 6:37

THURSDAY
**11**

**MARCH**
**2021**

Sunrise - 6:44

Sunset - 6:38

FRIDAY
**12**

**MARCH**
**2021**

Sunrise - 6:43

Sunset - 6:38

**MARCH**
**2021**

**SATURDAY**
**13**

Sunrise - 6:42

Sunset - 6:38

**MARCH**
**2021**

**SUNDAY**
**14**

Sunrise - 6:42

Sunset - 6:38

**MONDAY**
# 15

**MARCH**
**2021**

Sunrise - 6:41

Sunset - 6:38

**TUESDAY**
# 16

**MARCH**
**2021**

Sunrise - 6:40

Sunset - 6:38

**MARCH**
**2021**

**WEDNESDAY**
**17**

Sunrise - 6:39

Sunset - 6:39

**MARCH**
**2021**

**THURSDAY**
**18**

Sunrise - 6:38

Sunset - 6:39

FRIDAY
**19**

**MARCH 2021**

Sunrise - 6:37

Sunset - 6:39

SATURDAY
**20**

**MARCH 2021**

Sunrise - 6:36

Sunset - 6:39

**MARCH**
**2021**

**SUNDAY**
**21**

Sunrise - 6:36

Sunset - 6:40

**MARCH**
**2021**

**MONDAY**
**22**

Sunrise - 6:36

Sunset - 6:40

**TUESDAY**
# 23

**MARCH**
**2021**

Sunrise - 6:34

Sunset - 6:40

**WEDNESDAY**
# 24

**MARCH**
**2021**

Sunrise - 6:33

Sunset - 6:40

**MARCH**
**2021**

**THURSDAY**
**25**

Sunrise - 6:32

Sunset - 6:40

**MARCH**
**2021**

**FRIDAY**
**26**

Sunrise - 6:31

Sunset - 6:40

SATURDAY
**27**

**MARCH 2021**

Sunrise - 6:30

Sunset - 6:41

SUNDAY
**28**

**MARCH 2021**

Sunrise - 6:30

Sunset - 6:41

**MARCH**
**2021**

**MONDAY**
**29**

Sunrise - 6:29

Sunset - 6:41

**MARCH**
**2021**

**TUESDAY**
**30**

Sunrise - 6:28

Sunset - 6:41

WEDNESDAY
# 31

MARCH
2021

Sunrise - 6:27

Sunset - 6:42

**APRIL**
**2021**

**THURSDAY**
**01**

Sunrise - 6:26

Sunset - 6:41

**APRIL**
**2021**

**FRIDAY**
**02**

Sunrise - 6:25

Sunset - 6:42

SATURDAY
**03**

**APRIL 2021**

Sunrise - 6:24

Sunset - 6:42

SUNDAY
**04**

**APRIL 2021**

Sunrise - 6:24

Sunset - 6:42

**APRIL**
**2021**

**MONDAY**
**05**

Sunrise - 6:23

Sunset - 6:42

**APRIL**
**2021**

**TUESDAY**
**06**

Sunrise - 6:22

Sunset - 6:43

WEDNESDAY
**07**

**APRIL 2021**

Sunrise - 6:21

Sunset - 6:43

THURSDAY
**08**

**APRIL 2021**

Sunrise - 6:20

Sunset - 6:43

**APRIL**
**2021**

**FRIDAY**
**09**

Sunrise - 6:19

Sunset - 6:43

**APRIL**
**2021**

**SATURDAY**
**10**

Sunrise - 6:19

Sunset - 6:44

**SUNDAY**
# 11

**APRIL**
**2021**

Sunrise - 6:18

Sunset - 6:44

**MONDAY**
# 12

**APRIL**
**2021**

Sunrise - 6:17

Sunset - 6:44

**APRIL**
**2021**

**TUESDAY**
**13**

Sunrise - 6:16

Sunset - 6:44

**APRIL**
**2021**

**WEDNESDAY**
**14**

Sunrise - 6:15

Sunset - 6:44

THURSDAY
**15**

**APRIL 2021**

Sunrise - 6:14

Sunset - 6:44

FRIDAY
**16**

**APRIL 2021**

Sunrise - 6:14

Sunset - 6:45

**APRIL**
**2021**

**SATURDAY**
**17**

Sunrise - 6:13

Sunset - 6:45

**APRIL**
**2021**

**SUNDAY**
**18**

Sunrise - 6:12

Sunset - 6:46

**MONDAY**
# 19

**APRIL**
**2021**

Sunrise - 6:11

Sunset - 6:46

**TUESDAY**
# 20

**APRIL**
**2021**

Sunrise - 6:11

श्रीरामनवमी उत्सव – प्रारंभ दिवस

Sunset - 6:46

**APRIL**
**2021**

**WEDNESDAY**
**21**

Sunrise - 6:10

श्रीरामनवमी उत्सव – मुख्य दिवस

Sunset - 6:46

**APRIL**
**2021**

**THURSDAY**
**22**

Sunrise - 6:09

श्रीरामनवमी उत्सव – सांगता दिवस

Sunset - 6:46

FRIDAY
**23**

**APRIL 2021**

Sunrise - 6:09

Sunset - 6:47

SATURDAY
**24**

**APRIL 2021**

Sunrise - 6:08

Sunset - 6:47

**APRIL**
**2021**

**SUNDAY**
**25**

Sunrise - 6:07

Sunset - 6:47

**APRIL**
**2021**

**MONDAY**
**26**

Sunrise - 6:06

Sunset - 6:47

**TUESDAY**
# 27

**APRIL**
**2021**

Sunrise - 6:06

Sunset - 6:48

**WEDNESDAY**
# 28

**APRIL**
**2021**

Sunrise - 6:05

Sunset - 6:48

**APRIL**
**2021**

**THURSDAY**
**29**

Sunrise - 6:05

Sunset - 6:48

**APRIL**
**2021**

**FRIDAY**
**30**

Sunrise - 6:04

Sunset - 6:48

## NOTES

**MAY**
**2021**

**SATURDAY**
**01**

Sunrise - 6:03

Sunset - 6:49

**MAY**
**2021**

**SUNDAY**
**02**

Sunrise - 6:03

Sunset - 6:49

**MONDAY**
# 03

**MAY**
# 2021

Sunrise - 6:02

Sunset - 6:49

**TUESDAY**
# 04

**MAY**
# 2021

Sunrise - 6:02

Sunset - 6:50

**MAY**
**2021**

**WEDNESDAY**
**05**

Sunrise - 6:01

Sunset - 6:50

**MAY**
**2021**

**THURSDAY**
**06**

Sunrise - 6:00

Sunset - 6:50

FRIDAY
**07**

**MAY**
**2021**

Sunrise - 6:00

Sunset - 6:51

SATURDAY
**08**

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:59

Sunset - 6:51

**MAY**
**2021**

**SUNDAY**
**09**

Sunrise - 5:58

Sunset - 6:51

**MAY**
**2021**

**MONDAY**
**10**

Sunrise - 5:58

Sunset - 6:51

**TUESDAY**
# 11

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:58

Sunset - 6:52

**WEDNESDAY**
# 12

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:58

Sunset - 6:52

**MAY**
**2021**

**THURSDAY**
**13**

Sunrise - 5:57

Sunset - 6:52

**MAY**
**2021**

**FRIDAY**
**14**

Sunrise - 5:57

Sunset - 6:53

**SATURDAY**
# 15

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:56

Sunset - 6:53

**SUNDAY**
# 16

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:56

Sunset - 6:53

**MAY**
**2021**

**MONDAY**
**17**

Sunrise - 5:56

Sunset - 6:54

**MAY**
**2021**

**TUESDAY**
**18**

Sunrise - 5:55

Sunset - 6:54

**WEDNESDAY**
# 19

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:55

Sunset - 6:54

**THURSDAY**
# 20

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:54

Sunset - 6:55

**MAY**
**2021**

**FRIDAY**
**21**

Sunrise - 5:54

Sunset - 6:55

**MAY**
**2021**

**SATURDAY**
**22**

Sunrise - 5:54

Sunset - 6:55

**SUNDAY**
# 23

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:54

Sunset - 6:56

**MONDAY**
# 24

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:53

Sunset - 6:56

**MAY**
**2021**

**TUESDAY**
**25**

Sunrise - 5:53

Sunset - 6:56

**MAY**
**2021**

**WEDNESDAY**
**26**

Sunrise - 5:53

Sunset - 6:57

THURSDAY
**27**

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:53

Sunset - 6:57

FRIDAY
**28**

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:53

Sunset - 6:58

**MAY**
**2021**

**SATURDAY**
**29**

Sunrise - 5:53

Sunset - 6:58

**MAY**
**2021**

**SUNDAY**
**30**

Sunrise - 5:52

Sunset - 6:58

**MONDAY**
# 31

**MAY**
**2021**

Sunrise - 5:52

Sunset - 6:59

# JUNE 2021

TUESDAY
**01**

Sunrise - 5:52

Sunset - 6:59

# JUNE 2021

WEDNESDAY
**02**

Sunrise - 5:52

Sunset - 6:59

THURSDAY
**03**

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:00

FRIDAY
**04**

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:00

**JUNE**
**2021**

**SATURDAY**
**05**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:01

**JUNE**
**2021**

**SUNDAY**
**06**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:01

**MONDAY**
# 07

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:02

**TUESDAY**
# 08

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:02

**JUNE**
**2021**

**WEDNESDAY**
**09**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:02

**JUNE**
**2021**

**THURSDAY**
**10**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:02

**FRIDAY**
# 11

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:03

**SATURDAY**
# 12

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:03

**JUNE**
**2021**

**SUNDAY**
**13**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:03

**JUNE**
**2021**

**MONDAY**
**14**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:04

**TUESDAY**
# 15

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:52

Sunset - 7:04

**WEDNESDAY**
# 16

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:53

Sunset - 7:04

**JUNE**
**2021**

**THURSDAY**
**17**

Sunrise - 5:53

Sunset - 7:04

**JUNE**
**2021**

**FRIDAY**
**18**

Sunrise - 5:53

Sunset - 7:05

**SATURDAY**
# 19

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:53

Sunset - 7:05

**SUNDAY**
# 20

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:53

Sunset - 7:05

**JUNE**
**2021**

**MONDAY**
**21**

Sunrise - 5:53

Sunset - 7:05

**JUNE**
**2021**

**TUESDAY**
**22**

Sunrise - 5:53

Sunset - 7:05

WEDNESDAY
**23**

**JUNE 2021**

Sunrise - 5:54

Sunset - 7:05

THURSDAY
**24**

**JUNE 2021**

Sunrise - 5:54

Sunset - 7:06

**JUNE**
**2021**

**FRIDAY**
**25**

Sunrise - 5:54

Sunset - 7:06

**JUNE**
**2021**

**SATURDAY**
**26**

Sunrise - 5:55

Sunset - 7:06

**SUNDAY**
**27**

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:55

Sunset - 7:06

**MONDAY**
**28**

**JUNE**
**2021**

Sunrise - 5:55

Sunset - 7:06

**JUNE**
**2021**

**TUESDAY**
**29**

Sunrise - 5:55

Sunset - 7:07

**JUNE**
**2021**

**WEDNESDAY**
**30**

Sunrise - 5:56

Sunset - 7:07

## NOTES

**JULY**
**2021**

**THURSDAY**
**01**

Sunrise - 5:56

Sunset - 7:07

**JULY**
**2021**

**FRIDAY**
**02**

Sunrise - 5:56

Sunset - 7:07

SATURDAY
**03**

**JULY 2021**

Sunrise - 5:57

Sunset - 7:07

SUNDAY
**04**

**JULY 2021**

Sunrise - 5:57

Sunset - 7:07

## चावडी

इतिहास काल में हर एक देहात में जिस जगह पर गाँव का कारोबार चलता था, न्यायदान होता था वह जगह **चावडी** नाम से जानी जाती थी। साईकाल की गवाह देनेवाली यह वास्तू समाधी मंदिर के पूर्व में व्दारकामाई के नजदीक है। देहातों की पारंपारिक रचना के अनुसार शिर्डी की चावडी भी गाँव की सीमा के पास ही है। शिर्डी की सीमा पार करके अंदर आने पर बाये हाथ की ओर चावडी की इमारत है। बाबा एक दो दिनों के अंतर में चावडी में सोने के लिए जाते थे। भक्तगण उन्हें पथयात्रा व्दारा चावडी में लेकर आते थे। यहाँ पूजा आरती होनेंपर रात को बाबा चावडी में ही सोते थे। बाबा के **चावडी भ्रमण** का स्मरण रखने के लिए साईबाबा संस्थान व्दारा हर गुरुवार के दिन शिर्डी में रात को ९.१५ बजे से १०.०० बजे के समय में बाबा की पथयात्रा उत्सव आयोजित किया जाता है। साईचरित्र में उल्लेखित '**अमीर शक्कर** की कथा का बहुतसा हिस्सा चावडी में ही घटित हूआ है। बाबाके भक्त श्री.दामोदर घनःश्याम बाबरे उर्फ अण्णासाहब चिंचणीकर नें चावडी का प्रथम जिर्णोध्दार किया।उनके इस साईकार्य की गवाह देनेवाली शिला चावडी के प्रवेशव्दार पर आज भी देखने को मिलती है। चावडी में परम्परानुसार रोजाना पूजा-विधी किए जाते है।

"एक रात्र मस्जिद में सोते। दुजी चावडी में बिताते।।
बाबा का यह क्रम अखंड रहते। समाधि तक चलता रहा"।।११७।।
(श्री साईसच्चरित अध्याय ३७ वा )

https://youtu.be/WkuUlSrpx20

## वस्तु संग्रहालय

श्री साईबाबांने इस्तेमाल तथा स्पर्श की हुई वस्तुओं को प्रत्यक्ष देखने की हुई वस्तुओ को प्रत्यक्ष देखने की हर एक साईभक्त कि  इच्छा होती है। साईभक्तों की जितनी श्रद्धा साईनाथ पर है उतनीही उन्होने स्पर्श की हुई वस्तुऐं भक्तोंके लिए अतिव श्रद्धा का विषय है साईभक्तों की ईन भावनाओं का विचार करते हुए साईबाबा संस्थानने सन २००३ में ज्येष्ठ वस्तुसंग्रहालय विशेषज्ञ एंव साईभक्त पद्मश्री (कै.) श्री.सदाशिवराव गोरक्षकर के पथप्रदर्शनपर श्री साईबाबा ने इस्तेमाल की हुई वस्तुओं के एक भव्य संग्रहालय की स्थापना की दीक्षित महल (वाडा) के एक भव्य संग्रहालय है। साई कालमे ही बनवाये गए दीक्षित वाडे में यह संग्रहालय होना एक अपूर्व योग ही माना जाता है। इस संग्रहालय में श्री नें इस्तेमाल की हुई वस्तुए साहित्य बाबा के छायाचित्र आदि इकठ्ठे करके जानकारी सहीत सुसूत्र पद्धति से जतन किए गए है।

इनमें श्री साईबाबा नें पहने कपडे, पादुकाएँ, चिलिम, आदि के साथ-साथ श्री कें महानिर्वाण के बाद जिस लकडी मेंज पर उन्हें स्नान कराया गया था वह मेज बाबा के जमाने में उन्हें अर्पण की गई डोली (पालखी) रथ, बर्तन, कुछ पुरातन छायाचित्र, साईभक्त **शामराव जयकर** जी ने निकाला हुआ बाबा मूल तैलचित्र, साईबाबा के समकालीन संतों की तस्वीरे यह साईकाल सें नाता जोडनेवाली वस्तुओं को देखते समय साईभक्त मंत्रमुग्ध तो होते ही है तथा स्वंय का होश भी खो बैठते है।

https://youtu.be/fvvb7KdpzJ0

**JULY**
**2021**

**MONDAY**
**05**

Sunrise - 5:57

Sunset - 7:07

**JULY**
**2021**

**TUESDAY**
**06**

Sunrise - 5:59

Sunset - 7:07

WEDNESDAY
**07**

**JULY 2021**

Sunrise - 5:58

Sunset - 7:07

THURSDAY
**08**

**JULY 2021**

Sunrise - 6:58

Sunset - 7:07

**JULY**
**2021**

**FRIDAY**
**09**

Sunrise - 5:59

Sunset - 7:07

**JULY**
**2021**

**SATURDAY**
**10**

Sunrise - 5:59

Sunset - 7:07

**SUNDAY**
# 11

**JULY**
**2021**

Sunrise - 5:59

Sunset - 7:07

**MONDAY**
# 12

**JULY**
**2021**

Sunrise - 6:00

Sunset - 7:07

**JULY**
**2021**

**TUESDAY**
**13**

Sunrise - 6:00

Sunset - 7:07

**JULY**
**2021**

**WEDNESDAY**
**14**

Sunrise - 6:01

Sunset - 7:07

THURSDAY
15

JULY
2021

Sunrise - 6:01

Sunset - 7:07

FRIDAY
16

JULY
2021

Sunrise - 6:01

Sunset - 7:07

**JULY**
**2021**

**SATURDAY**
**17**

Sunrise - 6:02

Sunset - 7:07

**JULY**
**2021**

**SUNDAY**
**18**

Sunrise - 6:02

Sunset - 7:07

**MONDAY**
# 19

**JULY**
**2021**

Sunrise - 6:02

Sunset - 7:07

**TUESDAY**
# 20

**JULY**
**2021**

Sunrise - 6:03

Sunset - 7:06

**JULY**
**2021**

**WEDNESDAY**
**21**

Sunrise - 6:03

Sunset - 7:06

**JULY**
**2021**

**THURSDAY**
**22**

Sunrise - 6:03

श्रीगुरुपौर्णिमा उत्सव – प्रारंभ दिवस

Sunset - 7:06

FRIDAY
23

JULY
2021

Sunrise - 6:04

श्रीगुरुपौर्णिमा उत्सव – मुख्य दिवस

Sunset - 7:06

SATURDAY
24

JULY
2021

Sunrise - 6:04

श्रीगुरुपौर्णिमा उत्सव – सांगता दिवस

Sunset - 7:05

**JULY**
**2021**

**SUNDAY**
**25**

Sunrise - 6:05

Sunset - 7:05

**JULY**
**2021**

**MONDAY**
**26**

Sunrise - 6:05

Sunset - 7:05

TUESDAY
**27**

**JULY 2021**

Sunrise - 6:05

Sunset - 7:05

WEDNESDAY
**28**

**JULY 2021**

Sunrise - 6:06

Sunset - 7:05

**JULY**
**2021**

**THURSDAY**
**29**

Sunrise - 6:06

Sunset - 7:04

**JULY**
**2021**

**FRIDAY**
**30**

Sunrise - 6:06

Sunset - 7:04

**SATURDAY**
# 31

**JULY**
**2021**

Sunrise - 6:07

Sunset - 7:03

# AUGUST 2021

SUNDAY
**01**

Sunrise - 6:07

Sunset - 7:03

# AUGUST 2021

MONDAY
**02**

Sunrise - 6:07

Sunset - 7:02

TUESDAY
**03**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:08

Sunset - 7:02

WEDNESDAY
**04**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:08

Sunset - 7:02

# AUGUST 2021

THURSDAY
**05**

Sunrise - 6:08

Sunset - 7:01

# AUGUST 2021

FRIDAY
**06**

Sunrise - 6:09

Sunset - 7:01

SATURDAY
**07**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:09

Sunset - 7:00

SUNDAY
**08**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:09

Sunset - 7:00

**AUGUST**
**2021**

**MONDAY**
**09**

Sunrise - 6:10

Sunset - 6:59

**AUGUST**
**2021**

**TUESDAY**
**10**

Sunrise - 6:10

Sunset - 6:59

WEDNESDAY
**11**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:10

Sunset - 6:58

THURSDAY
**12**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:11

Sunset - 6:58

# AUGUST 2021

FRIDAY
**13**

Sunrise - 6:11

Sunset - 6:57

# AUGUST 2021

SATURDAY
**14**

Sunrise - 6:11

Sunset - 6:57

**SUNDAY**
# 15

**AUGUST**
**2021**

Sunrise - 6:12

Sunset - 6:56

**MONDAY**
# 16

**AUGUST**
**2021**

Sunrise - 6:12

Sunset - 6:55

**AUGUST**
**2021**

**TUESDAY**
**17**

Sunrise - 6:12

Sunset - 6:55

**AUGUST**
**2021**

**WEDNESDAY**
**18**

Sunrise - 6:12

Sunset - 6:54

THURSDAY
**19**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:13

Sunset - 6:53

FRIDAY
**20**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:13

Sunset - 6:53

# AUGUST 2021

SATURDAY
**21**

Sunrise - 6:13

Sunset - 6:52

# AUGUST 2021

SUNDAY
**22**

Sunrise - 6:14

Sunset - 6:51

MONDAY
**23**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:14

Sunset - 6:51

TUESDAY
**24**

**AUGUST 2021**

Sunrise - 6:14

Sunset - 6:50

**AUGUST**
**2021**

**WEDNESDAY**
**25**

Sunrise - 6:14

Sunset - 6:49

**AUGUST**
**2021**

**THURSDAY**
**26**

Sunrise - 6:15

Sunset - 6:49

FRIDAY
27

AUGUST
2021

Sunrise - 6:15

Sunset - 6:48

SATURDAY
28

AUGUST
2021

Sunrise - 6:15

Sunset - 6:47

**AUGUST**
**2021**

**SUNDAY**
**29**

Sunrise - 6:15

Sunset - 6:46

**AUGUST**
**2021**

**MONDAY**
**30**

Sunrise - 6:16

Sunset - 6:46

**TUESDAY**
# 31

**AUGUST**
**2021**

Sunrise - 6:16

Sunset - 6:45

# SEPTEMBER 2021

WEDNESDAY
**01**

Sunrise - 6:16

Sunset - 6:44

# SEPTEMBER 2021

THURSDAY
**02**

Sunrise - 6:16

Sunset - 6:43

FRIDAY
**03**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:16

Sunset - 6:43

SATURDAY
**04**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:17

Sunset - 6:42

## ध्यानमंदिर– ( सुबह ६ से रात्री ९.३० तक)

यह स्थान, मंदिर परिसर में ही है जो सत्यनारायण हॉल के उपरी हिस्से में यह स्थान है। इस जगह पर बैठकर भक्तगण साईनाथ का नामस्मरण कर सकतें हैं। साधारणतः यहाँ पर ५० से लेकर ७५ तक साईभक्त एक ही समय में नामस्मरण के लिए बैठ सकते है।

https://youtu.be/fM-jL-sQ694

## श्री साईबाबा की उपयोग की हुई पादुका तथा सटका

## भिक्षाझोली (भिक्षाझोळी)

बाबा अपने जीवन के दौरान हर दिन भिक्षा मांगते थे। भिक्षा मांगने का यह सिलसिला तब तक चलता रहा जब तक बाबा जीवित थे। इसके प्रतीक के रूप में गाँव में विजयदशमी (दशहरा) त्यौहार के मुख्य दिन पर सुबह एक भिक्षा मांगने का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। बाबा के महानिर्वाण विजयदशमी (दशहरा)के दिन हुआ था। इसलिए उनकी पुण्यतिथी विजयदशमी के दिन मनाई जाने लगी। त्यौहार के पहले दिन, साईंबाबा के भिक्षाटन के मुख्य दिन के लिए जिन साईं भक्तों और ग्रामीणों को पंजीकरण की आवश्यकता होती है, उनके नाम सुबह ८.०० बजे से ११.०० बजे तक समाधि मंदिर के सामने मंच पर दर्ज किए जाते हैं। दोहपर १२.०० बजे माध्यान्ह आरती शुरू होती है। उसके बाद दोपहर २.०० बजे मंदिर के अधीक्षक की उपस्थिति में, भाग्यशाली भिक्षाझोली धारकों के नाम छोटे लडकों और लडकियों के हाथों से चुनें जाते हैं, और उनके नाम मंदिर कार्यालय के बाहर बोर्ड पर प्रकाशित किए जाते हैं।

जब साईंबाबा जीवित थे, तो वे हर दिन भिक्षा मांगते थे। भिक्षा मांगने के बाबा के परंपरा याद के रूप में, हर पुण्यतिथि उत्सव के दिन भिक्षा मांगने का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।इस आयोजनमें संस्थान के विश्वस्त और जिन भक्तों का नाम लकी ड्रॉ के माध्यम से निकाला जाता है, वे सब शामिल होते हैं। इस समय एकत्र किए गए अनाज को संस्थान के प्रसादालय में पहुँचाया जाता है। ताकि इसे भक्तों के प्रसाद भोज में शामिल किया जा सके।

**भिक्षाझोली- श्री साईबाबा की पुण्यतिथी के निमित्तमात्र भिक्षाझोली कार्यक्रम दि. २८/१०/२०२० को उत्साहपुर्ण वातावरण मे मनाया गया।**

https://youtu.be/6e3eH20liu4

# SEPTEMBER 2021

SUNDAY
**05**

Sunrise - 6:17

Sunset - 6:41

# SEPTEMBER 2021

MONDAY
**06**

Sunrise - 6:17

Sunset - 6:40

TUESDAY
**07**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:17

Sunset - 6:40

WEDNESDAY
**08**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:17

Sunset - 6:39

**SEPTEMBER**
**2021**

**THURSDAY**
**09**

Sunrise - 6:18

Sunset - 6:38

**SEPTEMBER**
**2021**

**FRIDAY**
**10**

Sunrise - 6:18

Sunset - 6:37

SATURDAY
**11**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:18

Sunset - 6:36

SUNDAY
**12**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:18

Sunset - 6:35

# SEPTEMBER 2021

MONDAY
**13**

Sunrise - 6:18

Sunset - 6:34

# SEPTEMBER 2021

TUESDAY
**14**

Sunrise - 6:19

Sunset - 6:34

WEDNESDAY
**15**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:19

Sunset - 6:33

THURSDAY
**16**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:19

Sunset - 6:32

**SEPTEMBER**
**2021**

**FRIDAY**
**17**

Sunrise - 6:19

Sunset - 6:31

**SEPTEMBER**
**2021**

**SATURDAY**
**18**

Sunrise - 6:19

Sunset - 6:31

SUNDAY
**19**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:20

Sunset - 6:30

MONDAY
**20**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:20

Sunset - 6:29

**SEPTEMBER**
**2021**

**TUESDAY**
**21**

Sunrise - 6:20

Sunset - 6:28

**SEPTEMBER**
**2021**

**WEDNESDAY**
**22**

Sunrise - 6:20

Sunset - 6:27

THURSDAY
**23**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:20

Sunset - 6:26

FRIDAY
**24**

**SEPTEMBER 2021**

Sunrise - 6:21

Sunset - 6:25

**SEPTEMBER**
**2021**

**SATURDAY**
**25**

Sunrise - 6:21

Sunset - 6:24

**SEPTEMBER**
**2021**

**SUNDAY**
**26**

Sunrise - 6:21

Sunset - 6:24

MONDAY
27

SEPTEMBER
2021

Sunrise - 6:21

Sunset - 6:23

TUESDAY
28

SEPTEMBER
2021

Sunrise - 6:22

Sunset - 6:22

**SEPTEMBER**
**2021**

**WEDNESDAY**
**29**

Sunrise - 6:22

Sunset - 6:21

**SEPTEMBER**
**2021**

**THURSDAY**
**30**

Sunrise - 6:22

Sunset - 6:20

## NOTES

# OCTOBER 2021

FRIDAY
**01**

Sunrise - 6:22

Sunset - 6:19

# OCTOBER 2021

SATURDAY
**02**

Sunrise - 6:22

Sunset - 6:18

SUNDAY
**03**

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:23

Sunset - 6:18

MONDAY
**04**

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:23

Sunset - 6:17

**OCTOBER**
**2021**

**TUESDAY**
**05**

Sunrise - 6:23

Sunset - 6:16

**OCTOBER**
**2021**

**WEDNESDAY**
**06**

Sunrise - 6:23

Sunset - 6:15

THURSDAY
**07**

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:24

Sunset - 6:15

FRIDAY
**08**

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:24

Sunset - 6:14

# OCTOBER 2021

SATURDAY
**09**

Sunrise - 6:24

Sunset - 6:13

# OCTOBER 2021

SUNDAY
**10**

Sunrise - 6:25

Sunset - 6:13

**MONDAY**
# 11

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:25

Sunset - 6:12

**TUESDAY**
# 12

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:25

Sunset - 6:11

**OCTOBER**
**2021**

**WEDNESDAY**
**13**

Sunrise - 6:25

Sunset - 6:10

**OCTOBER**
**2021**

**THURSDAY**
**14**

Sunrise - 6:26

श्रीपुण्यतिथी उत्सव – प्रारंभ दिवस

Sunset - 6:09

FRIDAY
15

OCTOBER
2021

Sunrise - 6:26

श्रीपुण्यतिथी उत्सव – मुख्य दिवस

Sunset - 6:08

SATURDAY
16

OCTOBER
2021

Sunrise - 6:26

श्रीपुण्यतिथी उत्सव – तृतीय दिवस

Sunset - 6:08

**OCTOBER**
**2021**

**SUNDAY**
**17**

Sunrise - 6:27

श्रीपुण्यतिथी उत्सव – सांगता दिवस

Sunset - 6:07

**OCTOBER**
**2021**

**MONDAY**
**18**

Sunrise - 6:27

Sunset - 6:06

**TUESDAY**
# 19

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:27

Sunset - 6:06

**WEDNESDAY**
# 20

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:28

Sunset - 6:05

# OCTOBER 2021

THURSDAY
**21**

Sunrise - 6:28

Sunset - 6:04

# OCTOBER 2021

FRIDAY
**22**

Sunrise - 6:28

Sunset - 6:04

SATURDAY
**23**

**OCTOBER 2021**

Sunrise - 6:29

Sunset - 6:03

SUNDAY
**24**

**OCTOBER 2021**

Sunrise - 6:29

Sunset - 6:02

**OCTOBER**
**2021**

**MONDAY**
**25**

Sunrise - 6:29

Sunset - 6:02

**OCTOBER**
**2021**

**TUESDAY**
**26**

Sunrise - 6:30

Sunset - 6:01

WEDNESDAY
**27**

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:30

Sunset - 6:00

THURSDAY
**28**

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:31

Sunset - 6:00

**OCTOBER**
**2021**

**FRIDAY**
**29**

Sunrise - 6:31

Sunset - 5:59

**OCTOBER**
**2021**

**SATURDAY**
**30**

Sunrise - 6:32

Sunset - 5:59

**SUNDAY**
# 31

**OCTOBER**
**2021**

Sunrise - 6:32

Sunset - 5:59

# NOVEMBER 2021

MONDAY
**01**

Sunrise - 6:32

Sunset - 5:58

# NOVEMBER 2021

TUESDAY
**02**

Sunrise - 6:33

Sunset - 5:58

WEDNESDAY
**03**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:33

Sunset - 5:57

THURSDAY
**04**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:34

Sunset - 5:57

**NOVEMBER**
**2021**

**FRIDAY**
**05**

Sunrise - 6:34

Sunset - 5:56

**NOVEMBER**
**2021**

**SATURDAY**
**06**

Sunrise - 6:35

Sunset - 5:55

SUNDAY
**07**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:35

Sunset - 5:55

MONDAY
**08**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:36

Sunset - 5:55

**NOVEMBER**
**2021**

**TUESDAY**
**09**

Sunrise - 6:36

Sunset - 5:55

**NOVEMBER**
**2021**

**WEDNESDAY**
**10**

Sunrise - 6:37

Sunset - 5:55

THURSDAY
**11**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:37

Sunset - 5:54

FRIDAY
**12**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:38

Sunset - 5:54

**NOVEMBER**
**2021**

**SATURDAY**
**13**

Sunrise - 6:38

Sunset - 5:54

**NOVEMBER**
**2021**

**SUNDAY**
**14**

Sunrise - 6:39

Sunset - 5:54

MONDAY
15

NOVEMBER
2021

Sunrise - 6:40

Sunset - 5:53

TUESDAY
16

NOVEMBER
2021

Sunrise - 6:40

Sunset - 5:53

**NOVEMBER**
**2021**

**WEDNESDAY**
**17**

Sunrise - 6:41

Sunset - 5:53

**NOVEMBER**
**2021**

**THURSDAY**
**18**

Sunrise - 6:41

Sunset - 5:52

FRIDAY
**19**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:42

Sunset - 5:52

SATURDAY
**20**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:42

Sunset - 5:52

# NOVEMBER 2021

SUNDAY
**21**

Sunrise - 6:43

Sunset - 5:52

# NOVEMBER 2021

MONDAY
**22**

Sunrise - 6:44

Sunset - 5:52

TUESDAY
**23**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:44

Sunset - 5:52

WEDNESDAY
**24**

**NOVEMBER 2021**

Sunrise - 6:45

Sunset - 5:52

**NOVEMBER**
**2021**

**THURSDAY**
**25**

Sunrise - 6:46

Sunset - 5:52

**NOVEMBER**
**2021**

**FRIDAY**
**26**

Sunrise - 6:46

Sunset - 5:52

SATURDAY
27

NOVEMBER
2021

Sunrise - 4:47

Sunset - 5:52

SUNDAY
28

NOVEMBER
2021

Sunrise - 6:47

Sunset - 5:52

**NOVEMBER**
**2021**

**MONDAY**
**29**

Sunrise - 6:48

Sunset - 5:52

**NOVEMBER**
**2021**

**TUESDAY**
**30**

Sunrise - 6:49

Sunset - 5:52

## NOTES

# DECEMBER 2021

WEDNESDAY
**01**

Sunrise - 6:49

Sunset - 5:52

# DECEMBER 2021

THURSDAY
**02**

Sunrise - 6:50

Sunset - 5:52

FRIDAY
**03**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 6:50

Sunset - 5:52

SATURDAY
**04**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 6:51

Sunset - 5:52

# DECEMBER 2021

SUNDAY
**05**

Sunrise - 6:53

Sunset - 5:53

# DECEMBER 2021

MONDAY
**06**

Sunrise - 6:52

Sunset - 5:53

TUESDAY
**07**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 6:53

Sunset - 5:53

WEDNESDAY
**08**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 6:54

Sunset - 5:53

**DECEMBER**
**2021**

**THURSDAY**
**09**

Sunrise - 6:54

Sunset - 5:54

**DECEMBER**
**2021**

**FRIDAY**
**10**

Sunrise - 6:55

Sunset - 5:54

SATURDAY
# 11

DECEMBER
2021

Sunrise - 6:55

Sunset - 5:54

SUNDAY
# 12

DECEMBER
2021

Sunrise - 6:56

Sunset - 5:55

# DECEMBER 2021

MONDAY
**13**

Sunrise - 6:57

Sunset - 5:55

# DECEMBER 2021

TUESDAY
**14**

Sunrise - 6:57

Sunset - 5:55

WEDNESDAY
# 15

DECEMBER
2021

Sunrise - 6:58

Sunset - 5:55

THURSDAY
# 16

DECEMBER
2021

Sunrise - 6:58

Sunset - 5:56

# DECEMBER 2021

FRIDAY
**17**

Sunrise - 6:59

Sunset - 5:56

# DECEMBER 2021

SATURDAY
**18**

Sunrise - 6:59

Sunset - 5:57

SUNDAY
**19**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 7:00

Sunset - 5:58

MONDAY
**20**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 7:01

Sunset - 8:58

**DECEMBER**
**2021**

**TUESDAY**
**21**

Sunrise - 7:01

Sunset - 5:59

**DECEMBER**
**2021**

**WEDNESDAY**
**22**

Sunrise - 7:02

Sunset - 5:59

THURSDAY
**23**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 7:02

Sunset - 5:59

FRIDAY
**24**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 7:03

Sunset - 5:59

**DECEMBER**
**2021**

**SATURDAY**
**25**

Sunrise - 7:03

Sunset - 6:00

**DECEMBER**
**2021**

**SUNDAY**
**26**

Sunrise - 7:04

Sunset - 6:01

MONDAY
**27**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 7:04

Sunset - 6:01

TUESDAY
**28**

**DECEMBER 2021**

Sunrise - 7:04

Sunset - 6:01

**DECEMBER**
**2021**

**WEDNESDAY**
**29**

Sunrise - 7:05

Sunset - 6:02

**DECEMBER**
**2021**

**THURSDAY**
**30**

Sunrise - 7:05

Sunset - 6:03

FRIDAY
# 31

# DECEMBER 2021

Sunrise - 7:06

Sunset - 6:03

## NOTES

## NOTES

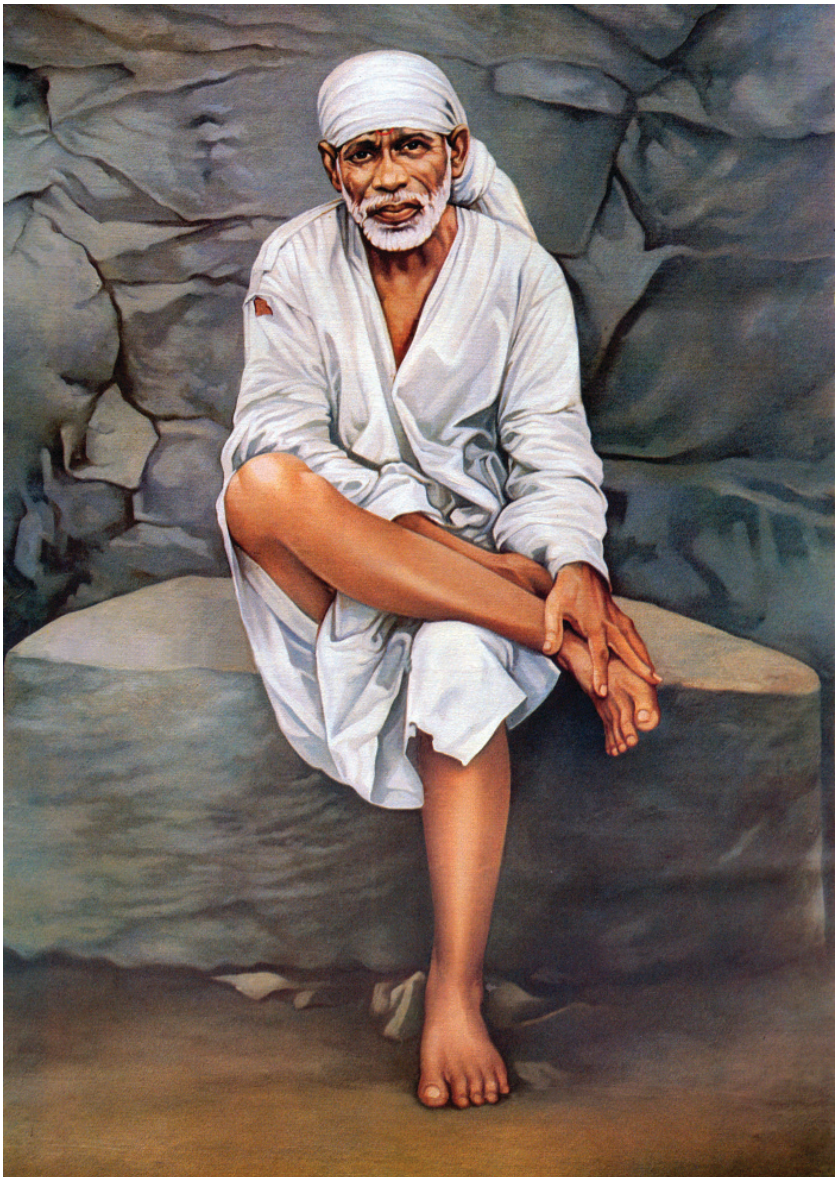

# श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्तव्यवस्था, शिर्डी – स्थलदर्शक मानचित्र

## सूची / Legend

- श्री साईबाबा समाधी मंदिर
  Shri Saibaba Samadhi Mandir
- गेट नं.२ (दर्शनरांग मुख्य प्रवेश)
  Gate No.2 (Darshan Main Entry)
- दर्शन पास काऊंटर – (श्रीराम पार्किंग)– ०.२५ कि.मी.
  Darshan Pass Counter (Shree Ram Parking) 0.25 km.
- साईबाबा सुपर हॉस्पिटल – ०.५ कि.मी.
  Saibaba Super Hospital - 0.5 km.
- बस स्थानक – ०.५ कि.मी.
  Bus Station - 0.5 km.
- रेल्वे स्थानक – २.५ कि.मी.
  Railway Station - 2.5 km.
- विमानतळ – १३ कि.मी.
  Airport - 13 km.
- संस्थान हेलीपोर्ट – २.६ कि.मी.
  Sansthan Heliport - 2.6 km.
- शासकिय विश्रामगृह – १.२ कि.मी.
  Government Rest House - 1.2 km.

भक्तों के लिए सूचना : भक्तों की हानी या नुकसान से बचने के लिए किसी भी दलाल या, मध्यस्थ व्यक्ती के प्रलोभन से दूर रहें।

Instruction for Devotees : Devotees are requested not to deal with any agent or such persons to avoid cheating.

# SHRI SAIBABA SANSTHAN TRUST, SHIRDI - LOCATION MAP

## सूची / Legend

- द्वारावती भक्तनिवास – १ कि.मी.
  Dwarawati Bhaktaniwas - 1.0 km.
- श्री साईबाबा भक्तनिवास (५०० रुम) – १.५ कि.मी.
  Shri Saibaba Bhaktaniwas (500 Room)- 1.5 km.
- साई आश्रम भक्तनिवास (१००० रुम) – १.५ कि.मी.
  Sai Ashram Bhaktaniwas (1000 Room)- 1.5 km.
- साई धर्मशाळा – १.५ कि.मी.
  Sai Dharamshala - 1.5 km.
- साई निवास अतिथी गृह (ए.सी.रुम्स्)
  Sai Niwas Atithi Gruha (A/C Rooms)
- संस्थान स्पर्धा परिक्षा केंद्र व अतिथीगृह (पालखी निवारा) – २.५ कि.मी.
  Sansthan Competitive Examination Center & Guest House (Palkhi Niwara) - 2.5 km.
- श्री साई प्रसादालय – ०.६ कि.मी.
  Shri Sai Prasadalya - 0.6 km.
- सुलभ कॉम्प्लेक्स्
  Sulabh Complex

टिप : १. श्री. साई समाधी मंदीर से स्थानोंका अंतर नमुद किया है ।
DISTANCE FROM SHRI SAI SAMADHI MANDIR IS MENTIONED

२. मानचित्र मार्गदर्शन के लिए है, नक्शा प्रमाणित नहीं है ।
THE MAP IS FOR GUIDANCE & NOT TO THE SCALE

N

SHRI SAIBABA SANSTHAN TRUST, SHIRDI

Post : Shirdi, Tal.: Rahata, Dist.: Ahmednagar (MS) - 423 109.

Tel.: (+91) (2423) 258500 • Fax : (+91) (2423) 258870

E-mail : saibaba@sai.org.in • Website: www.sai.org.in

MUMBAI OFFICE : Sai Niketan, 804-B, Dr. Ambedkar Road, Dadar (E), Mumbai - 400 014.

Tel.: (+91) (22) 2416 6556 • Fax: (+91) (22) 2415 0798



PUB/321

₹ 70.00

HINDI